



भारत का The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 9] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 4, 1978 (फाल्गुन 13, 1899)
No. 9] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 4, 1978 (PHALGUNA 13, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 21 जनवरी 1978

नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 जनवरी 1978

सं० ए० 12025/1/77-प्रशा०-II—शस्त्रास्त्र अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान, रक्षा मंत्रालय, पुणे-411001 के वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी II श्री जे० के० खन्ना को, अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 6-1-1978 के पूर्वाह्न 'से अथवा आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में वरिष्ठ प्रोग्रामर के अस्थायी पद पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 21 जनवरी 1978

सं० ए० 12019/2/78-प्रशा० II—इस कार्यालय के स्थायी अनुसंधान सहायक (हिन्दी) श्री चंद किरण को एतद्वारा 16-1-1978 से 28-2-1978 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (हिन्दी) के पद पर तदर्थ आधार में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

प्र० ना० मुखर्जी,
अवर सचिव
कृते अध्यक्ष

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में (के० म० स्टे० से० का ग्रेड ग) के स्थायी वैयक्तिक सहायक श्री हकुम चन्द को, राष्ट्रपति द्वारा 5-1-78 से 46 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार में, उसी संवर्ग में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० म० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

श्री हकुम चन्द को अवगत कर लेना चाहिए कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० म० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार में है और के० म० स्टे० से० के ग्रेड ख में उनके किल्यन का या उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं होगा।

सं० ए० 32013/1/77-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के निम्न-लिखित स्थायी अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले

हो, उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

क्र० सं०	नाम	अवधि
सर्वश्री		
1.	वीरसिंह रियात	3-1-1978 से 18-2-1978 तक
2.	आर० आर० अहीर	1-1-1978 से 18-2-1978 तक
3.	प्रीतम लाल	12-11-1977 से 8-12-1977 तक

दिनांक 23 जनवरी, 1978

सं० ए० 32013/3/76-प्रशा० I—इस कार्यालय की सम संख्यक अधिसूचना दिनांक 20-12-1977 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी ग्रेड I अधिकारी श्री आर० एस० अहलुवालिया को राष्ट्रपति द्वारा 30-12-1977 से 31-1-1978 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार में कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

प्र० ना० मुखर्जी,
अवर सचिव

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 फरवरी 1978

शुद्धि-पत्र

सं० एफ० 14/3/77-प० I (ख)—भारत के राजपत्र के भाग III खण्ड 1 में 29 अक्टूबर, 1977 को प्रकाशित रेलवे और आयुर्वेद कारखाना स्वास्थ्य सेवा में चिकित्सा पदों पर भर्ती के लिए सम्मिलित परीक्षा (1978) से संबद्ध संघ लोक सेवा आयोग के समसंख्यक नोटिस में निम्नलिखित संशोधन किए जाएंगे :—

संदर्भ नोटिस	के लिए	पढ़ा जाए
पृष्ठ 1, कालम 1, पैरा 1 पंक्तियां 2 और 3	14 मार्च, 1978	27 मई, 1978
पृष्ठ 1, कालम 1, पैरा 2.	अहमदाबाद, ... त्रिवेन्द्रम	अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, शंड़ी-गढ़, कोयिन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद,

संदर्भ नोटिस के लिए पढ़ा जाए

जयपुर, जम्मू, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी, (गोआ), पटियाला, पटना, शिलांग, शिमला, श्रीनगर और त्रिवेन्द्रम.

पृष्ठ 1, कालम 1, पैरा 3(ख) का दूसरा उप-पैरा पंक्ति 1.

पृष्ठ 2, कालम 1, पैरा 3(ग), अंतिम पंक्ति.

पृष्ठ 2, कालम 2, पैरा 6, मद (i) और (ii)

पृष्ठ 3 कालम 1, पैरा 7(क) (iii) पंक्ति 5.

पृष्ठ 4, कालम 2, परीक्षा की योजना पैरा 13

इस परीक्षा के लिए एक प्रश्न पत्र में लिखित परीक्षा ली जाएगी जिसमें (1) निम्नलिखित विषयों पर वस्तुपरक प्रश्न पूछे जाएंगे, (i) क० ना० क०, नेत्र विज्ञान, ब्रण-विज्ञान, सहितसर्जरी (ii) शिशु रोग विज्ञान सहित सामान्य आयु-विज्ञान (iii) शिशु कल्याण और परिवार नियोजन सहित निरोधक आयुविज्ञान और सामुदायिक स्वास्थ्य, और (IV) प्रसूति विज्ञान और स्त्री रोग विज्ञान, प्रश्नपत्र तीन घंटे का होगा और (2) जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में ग्रहता प्राप्त कर लेंगे उनका व्यक्तित्व परीक्षण किया जाएगा जिसके समान परीक्षा इस प्रकार ली जाएगी : (क) लिखित परीक्षा—उम्मीदवारों को निम्नलिखित चार प्रश्न-पत्रों में से किसी एक में परीक्षा देने का विकल्प होगा। प्रश्न-पत्र का समय 3 घंटे होगा और उसमें वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न होंगे। (i) क० ना० क०, नेत्र विज्ञान, ब्रण विज्ञान और विकलांग विज्ञान सहित सर्जरी, (ii) शिशु रोग विज्ञान सहित सामान्य आयुविज्ञान (iii) शिशु कल्याण और परिवार नियोजन सहित निरोधक आयुविज्ञान और सामुदायिक स्वास्थ्य, (IV) प्रसूति विज्ञान और स्त्री रोग विज्ञान (ख) उन उम्मीदवारों का व्यक्तित्व परीक्षण

संदर्भ नोटिस	के लिए	पढ़ा जाए
	अंक होंगे।	होगा जो लिखित परीक्षा में अर्हता प्राप्त कर लेंगे।
		ध्यान दें : लिखित परीक्षा और व्यक्तित्व परीक्षण के अंक समान होंगे।
		बी० एस० जौली, अवर सचिव

प्रवर्तन निदेशालय

विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम

नई दिल्ली-1, दिनांक 2 फरवरी 1978

सं० ए०-11/2/78—श्री एम० एल० आचार्य, सहायक प्रवर्तन अधिकारी, प्रवर्तन निदेशालय, कलकत्ता को इस विदेशालय के अहमदाबाद उप-क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 23-1-78 से अगले आदेशों तक के लिए प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

जे० एन० अरोड़ा,
उप निदेशक (प्रशासन)

गृह मंत्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 8 फरवरी 1978

सं० ए०-31014/1/77-प्रशासन-I—केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियमावली, 1965 के नियम 9 (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, श्री वाई० एस० दीक्षितूलू को दिनांक 1-1-78 से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में मूल रूप से उप-अधीक्षक (एफ० पी०) केन्द्रीय अंगुलिछाप ब्यूरो नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19036/6/78-प्रशा० 5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, कर्नाटक राज्य पुलिस के अधिकारी तथा केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, बंगलौर शाखा के पुलिस निरीक्षक श्री ए० अश्वथरमैया को दिनांक 21-1-78 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

ए० के० हुड,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110024, दिनांक 8 फरवरी 1978

सं० ई० 38013/(3)/22/77-कार्मिक—धुम्बा से स्था-
नांतरित होने पर, श्री पी० के० पी० नायर ने 7 जनवरी,
1978 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट आई० एस०
आर० ओ० धुम्बा के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़
दिया और 18 जनवरी 1978 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब०
यूनिट मद्रास फर्टीलाइजर्स लिमिटेड, मनाली के सहायक कमांडेंट
पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई० 38013 (1)/78-कार्मिक—उप महानिरीक्षक
(व्यवस्था और लेखा) के० श्री० सु० ब० मुख्यालय, नई दिल्ली
के रूप में तैनात होने पर श्री हंस राज स्वान, भारतीय
पुलिस सेवा (हरियाणा-1957) ने 27 जनवरी 1978 के पूर्वाह्न
से उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

ली० सि० बिष्ट,
महानिरीक्षक/के० श्री० सु० ब०

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय महालेखाकार, राजस्थान, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 फरवरी 1978

सं० प्रशासन-II/जी० जी० ओ०—महालेखाकार राजस्थान
ने श्री मनोहर लाल गोयल अनुभाग अधिकारी को 31/1/78
(पूर्वाह्न) से अग्रतर आदेश के जारी होने तक इसी कार्यालय
में स्थानापन्न लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

र० अ० बोरकर,
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश

ग्वालियर, दिनांक 7 फरवरी 1978

सं० प्रशासन-I/528—महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश श्री
एस० डी० शर्मा (02/0223) अनुभाग अधिकारी को
स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर रुपये 840-40-1000-
द० अ०-40-1200 के वेतनमान में दिनांक 6-10-77 पूर्वाह्न,
अर्थात् वह दिनांक जिससे उनसे कनिष्ठ श्री जी० टी० मिठे,
अनुभाग अधिकारी इस कार्यालय में, लेखा अधिकारी के पद
पर पदोन्नत हुये, से प्रोफार्मा पदोन्नति सहर्ष स्वीकार करते
हैं।

कृष्ण गोपाल,
वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय, पश्चिम रेलवे

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1978

सं० एस० ए०/एच०क्यू०/प्रशासन/IX/6/व IV/7284—इस
कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री जे० पी० अरोरा का

दिनांक 31-1-78 (अपराह्न) से स्थानापन्न रूप से लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत किया है और लेखा परीक्षा अधिकारी (निर्माण) विरमगाम-ग्रोखा प्रोजेक्ट, पश्चिम रेलवे, राजकोट के पद पर उसी दिनांक से नियुक्त किया है।

अ० ना० बिस्वास,
मुख्य लेखा परीक्षक

रक्षामंत्रालय

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय, सिविल सेवा

महानिदेशालय, आर्डेनैन्स फैंक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 24 जनवरी 1978

सं० 3/78/ए०/ई०-I—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री एम० एल० गांगूली, स्थानापन्न ए० एस० ओ० मौलिक एवं स्थायी सहायक तारीख 30-11-77 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 31 जनवरी 1978

सं० 4/78/ए०/ई०-I—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री शान्ति कुमार बतर्जी मौलिक एवं स्थायी ए० एस० ओ०, दिनांक 31-1-1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

डी० पी० चक्रवर्ती,
सहयक महानिदेशक (प्रशासन-II),
कृत महानिदेशक, आर्डेनैन्स फैंक्टरियां

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1978

सं० प्र०-6/247 (288) 77—स्थायी सहायक निरीक्षण अधिकारी (ई) और म० नि० पू० नि०, नई दिल्ली के मुख्यालय में भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड-III (श्रेणी-I) (इंजीनियरी शाखा) के स्थानापन्न सहायक निदेशक (इंजी) श्री जोगेन्द्र लाल दिनांक 31 जनवरी, 1978 के अपराह्न से निवृत्तमान आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सुयं प्रकाश,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 5 फरवरी 1978

सं० 1060/बी०/14/76/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक लागत लेखा अधिकारी श्री डी० के० राय चौधुरी को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं

से 31 दिसम्बर, 1977 के अपराह्न से मुक्त किया जा रहा है ताकि वे जेसप एण्ड कम्पनी लिमिटेड में कार्यभार ग्रहण कर सकें।

वी० एस० कृष्णस्वामी,
महा निदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 13 फरवरी 1978

सं० ए०-19012(99)/77-स्था० ए०—श्री श्यामजी सिंग स्थायी वरिष्ठ तकनीकी सहायक (अयस्क प्रसाधन) को दिनांक 2 जनवरी, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक रसायनविद के रूप में पदोन्नति प्रदान की जाती है।

एल० सी० रणधीर,
कार्यालय अध्यक्ष,
भारतीय खान ब्यूरो

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

प्रकाशन विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 8 फरवरी 1978

सं० ए० 12026/2/78-प्रशासन-I—निदेशक, प्रकाशन विभाग, श्री एल० आर० बत्रा, सहायक व्यापार व्यवस्थापक को 30-1-78 से 18-3-78 तक 48 दिन के अवकाश प्रदान किये जाने के परिणामस्वरूप श्री सागर चन्द जैन, अस्थाई व्यापार कार्यकारी को प्रकाशन विभाग में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक व्यापार व्यवस्थापक नियुक्त करते हैं।

2. यह तदर्थ नियुक्ति श्री सागर चन्द जैन को सहायक व्यापार व्यवस्थापक के ग्रेड में नियमित नियुक्ति के दावे का अधिकार नहीं देती। वरिष्ठता के मामले में उनकी यह नियुक्ति ग्रेड में भी नहीं जोड़ी जायेगी।

इन्दराज सिंह,
उप निदेशक (प्रशासन)

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 जनवरी 1978

सं० ए० 19019/32/77-के० सं० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) सरिता देवी को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, मेरठ में 5 जनवरी, 1978 के पूर्वाह्न से आयुर्वेदिक फिजिशियन के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 25 जनवरी 1978

सं० ए०-19019/40/77-सी जी एच एस-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) कुसुम दत्ता को 2 जनवरी, 1978 अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, इलाहा-

बाद में होम्योपैथिक फिज़िशियन के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

एन० एस० भाटिया,
उप निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1978

सं० ए०-32014/9/77 (एच० ब्यू०) प्रशासन-II—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री ए० के० श्रीवास्तव को 24 दिसम्बर, 1977 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में तकनीकी अधिकारी (खाद्य अपमिश्रण निवारण) के पद पर अस्थायी आधार पर तैनात किया है।

शाम लाल कुठियाला,
उप निदेशक प्रशासन

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

(नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना)

मुम्बई-5, दिनांक 17 जनवरी 1978

सं० एन० ए० पी० पी०/18/41/76-प्रशा०/खण्ड-II—विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के निदेशक, नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना के अस्थायी नक्सानवीस 'सी' श्री एम० एच० जोशी को 1 अगस्त, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए उसी परियोजना में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड एस बी नियुक्त करते हैं।

बी० बी० थाटे,
प्रशासन अधिकारी
कृते निदेशक

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 13 फरवरी, 1978

संदर्भ : भा पा प ए/स्था०/1/ब-12/777—भारी पानी परियोजनाओं के विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री पूरन सिंह करतार सिंह भेका, अस्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी, भारी पानी परियोजना (बड़ोदा) को उसी परियोजना में तदर्थ आधार पर अस्थायी रूप से 9 अगस्त, 1977 (पूर्वाह्न) से 14 सितम्बर, 1977 (अपराह्न) तक के लिए, श्री पी० बी० बकसी, सुरक्षा अधिकारी के स्थान पर स्थानापन्न रूप से सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

सिविल इंजीनियरी ग्रुप

कलपक्कम-603102, दिनांक 27 जनवरी, 1978

सं० सी० ई० जी०/3 (690)/72-प्रशासन—इस विभाग के सिविल इंजीनियरी ग्रुप के अस्थायी वैज्ञानिक अधिकारी/

इंजीनियर ग्रेड एस बी, श्री बी० आर० नागराज ने उनका त्यागपत्र स्वीकार होने पर 24 दिसम्बर, 1977 के अपराह्न से ग्रेड एस बी में अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

बी० एस० वेंकटेश्वरन,
प्रशासन तथा लेखा अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन

शार केन्द्र

श्रीहरिकोटा-524124, दिनांक 16 दिसम्बर 1977

सं० एस० सी० एफ० : पी० एण्ड जी० ए० : स्थापना 1.72—निदेशक, अन्तरिक्ष विभाग के शार केन्द्र, श्रीहरिकोटा में अस्थायी इंजीनियर एस० बी० श्री बी० सुगुमार का सेवा से त्यागपत्र दिनांक 5 सितम्बर, 1977 के अपराह्न से स्वीकार करते हैं।

आर० गोपालारत्नम,
प्रधान, कार्मिक तथा सामान्य प्रशासन
कृते निदेशक

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक फरवरी 1978

सं० ई० (I) 03943—वेधशालाओं के उप-महानिदेशक, (जलवायु विज्ञान), पुणे भारत मौसम विज्ञान विभाग के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी श्री आर० वाई० दबीर को 17-9-1977 से 106 दिनों के लिए सेवा-निवृत्ति-पूर्व अर्जित अवकाश मंजूर किया गया था। अवकाश की समाप्ति पर, श्री दबीर ने 31-12-1977 के अपराह्न से सरकारी सेवा से अवकाश प्राप्त किया।

गुरुमुख राम गुप्त,
मौसम विज्ञानी,
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1978

सं० 1/449/77-स्था०—श्री सनाउल्ला को आर्वी शाखा में 4 नवम्बर, 1977 के अपराह्न से अस्थायी रूप से सहायक अभियंता नियुक्त किया गया। सेवा से उनका त्यागपत्र 30 नवम्बर, 1977 के अपराह्न से स्वीकार किया गया है।

पु० ग० दामले,
महानिदेशक

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1978

सं० 1/188/78-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा अधीक्षक श्री एन बी पद्मानाभन को अल्पकालीन खाली

जगह पर 19-12-77 से 24-1-78 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिये कलकत्ता शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करने हैं।

सं० 1/407/78-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा कलकत्ता शाखा के ज्येष्ठ फोरमैन, श्री ए० के० सहा को अल्पकालीन रिक्त स्थान पर 9-12-77 से 13-1-78 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से मुख्य मैकेनिशियन नियुक्त किया जाता है।

एम० एस० कृष्णस्वामी,
प्रशासन अधिकारी,
कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तलय

कानपुर, दिनांक 4 फरवरी 1978

सं० 2/78—श्री सोहन कम्पानी निरीक्षक (प्रवरण कोटि) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख', घेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200, के पद पर अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप देखिये समाहर्ता कानपुर/इलाहाबाद कार्यालय के पृष्ठोंकन प० सं० 11-(3) 93-ई० टी०/77/6838, दिनांक 11-3-77 के अन्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापना आदेश सं० 52/77 दिनांक 11-3-77 तथा आदेश संख्या 1/ए/203/77, दिनांक 24-6-77 अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' कानपुर प्रथम मंडल के पद का कार्याभार दिनांक 8-7-77 (पूर्वाह्न) ग्रहण किया।

के० प्रकाश आनन्द
समाहर्ता

शैक्षिक वर्ष, 1978 के लिए प्रशिक्षण पोत राजेन्द्र और मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निवेशालय, कलकत्ता/बम्बई में प्रवेश

बम्बई-1, दिनांक 10 फरवरी 1978

सं० 7 ई० सी० (1) 77—तौचालन (एक वर्ष) और मरीन इंजीनियरी (चार वर्षीय) पाठ्यक्रम में उक्त संस्थानों में निम्नलिखित केन्द्रों पर वषर्त्ते हर केन्द्र पर अभ्यर्थियों की पर्याप्त संख्या होने पर, प्रवेश के लिए एक संयुक्त लिखित अर्हकारी परीक्षा 25 और 26 मई, 1978 को सम्पन्न होगी।

परीक्षा केन्द्र

1. अहमदाबाद
2. बंगलौर
3. भोपाल
4. बम्बई
5. कलकत्ता
6. चंडीगढ़
7. कटक
8. दिल्ली
9. एर्नाकुलम
10. गौहाटी

11. हैदराबाद
12. जयपुर
13. लखनऊ
14. मद्रास
15. नागपुर
16. पटना
17. श्रीनगर
18. पोर्टब्लेयर
19. त्रिवेन्द्रम
20. विशाखापत्तनम।

परीक्षा के विषय—(1) अंग्रेजी (एक प्रश्नपत्र), 3 घंटे—100 अंक, (2) गणित (एक प्रश्नपत्र) 3 घंटे—100 अंक, (3) भौतिक विज्ञान (एक प्रश्नपत्र) 3 घंटे—100 अंक, (4) रसायन विज्ञान (एक प्रश्नपत्र) 1 1/2 घंटे—50 अंक, और (5) सामान्य ज्ञान (एक प्रश्नपत्र) 1 1/2 घंटे—50 अंक होंगे। अभ्यर्थियों को प्रवेश परीक्षा के परिणाम के आधार पर चयन समिति, कलकत्ता/बम्बई के समक्ष डाक्टरी जांच और साक्षात्कार के लिये बुलाया जाएगा। अभ्यर्थियों को यात्रा खर्च स्वयं वहन करना होगा और परीक्षा तथा साक्षात्कार केन्द्रों पर भोजन एवं आवास की व्यवस्था स्वयं करनी होगी।

प्रशिक्षण पोत राजेन्द्र और मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण में प्रवेश के लिये वषर्त्ते उपयुक्त अभ्यर्थी उपलब्ध हों, समस्त स्थान का पन्द्रह प्रतिशत अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों के लिये और पांच प्रतिशत अनुसूचित जन-जाति के लिये आरक्षित हैं।

प्रवेश के लिए योग्यता

(ए) अभ्यर्थियों को निम्नलिखित परीक्षाओं में से कोई एक परीक्षा अवश्य उत्तीर्ण होना चाहिए :—

- (क) मान्यताप्राप्त शिक्षा बोर्ड/विश्वविद्यालय द्वारा संचालित गणित, भौतिक विज्ञान तथा रसायन विज्ञान पृथक विषयों के रूप में इंटरमीडियेट विज्ञान परीक्षा।
- (ख) कोई अन्य समकक्ष पाठ्यक्रम अर्थात् शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त पृथक विषयों के रूप में गणित, भौतिक विज्ञान और रसायन विज्ञान के साथ 10+2।
- (ग) जहां 10+1 के पश्चात् 3 वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम चलता है वहां पृथक विषयों के रूप में गणित, भौतिक विज्ञान तथा रसायन विज्ञान के साथ डिग्री पाठ्यक्रम का प्रथम वर्ष।
- (घ) आई० आई० टी०/विश्वविद्यालयों द्वारा संचालित सेकेंडरी परीक्षा (10+1) के बाद 5 वर्षीय इंटेग्रेट टेक्नालाजीकल/इंजीनियरी डिग्री पाठ्यक्रम की प्रथम वर्ष की परीक्षा।

नोट : 10+2 का अभिप्राय यह है कि अभ्यर्थी को एस० एस० एल० सी०/एस० एस० सी०/मैट्रिकुलेशन या इसके समकक्ष प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के पश्चात् दो वर्षों की अवधि तक अवश्य अध्ययन किया होना चाहिए

तथा पाठ्यक्रम पूरा किया होना चाहिए/अन्तिम वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।

(बी) वे अभ्यर्थी-गण जिन्हें उपर्युक्त अनुच्छेद (ए) में कथित न्यूनतम शैक्षिक योग्यता प्राप्त हो तथा जो विज्ञान में डिग्री परीक्षा में सम्मिलित हुए हों अथवा सम्मिलित होना चाहत हों, वे भी प्रवेश के लिये आवेदन करने के पात्र हैं।

आयु सीमा

वे अभ्यर्थी-गण जिनकी न्यूनतम शैक्षिक योग्यता उक्त अनुच्छेद (ए) और (बी) के अनुसार हो, उन्हें प्रवेश वर्ष के पहली सितम्बर को 20 वर्ष की आयुसीमा के अंदर होना चाहिए अर्थात् 1 सितम्बर, 1958 को या उसके बाद पैदा हुआ अवश्य होना चाहिए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन-जाति के अभ्यर्थियों की आयु-सीमा एक वर्ष अधिक होगी।

आवेदन प्रपत्र

प्रशिक्षण पोत राजेन्द्र/मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेशालय पाठ्यक्रम के लिये केवल एक ही आवेदन प्रपत्र होगा, आवेदन प्रपत्र रूप 1/- के रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर नौवहन महानिदेशक, बम्बई के पक्ष में लिया हो तथा जी० पी० ओ०, बम्बई में भुगतान योग्य, भेजने से प्राप्त किये जा सकते हैं।

आवेदन प्रपत्र कार्यकारी अधिकारी (प्रशिक्षक), नौवहन महानिदेशालय, जहाज भवन, बालचन्द हीराचन्द मार्ग, बम्बई-400038 से, एक लिखित आवेदन-पत्र के साथ रु० 1/- मूल्य का रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर तथा निजी पता लिखा 23 से० सी० × 10 से० भी० आकार का, 40 पैसे का टिकट लगा लिफाफा संलग्न करके प्राप्त किया जा सकता है। आवेदन प्रपत्र तथा निजी पता लिखा लिफाफा दोनों पर पत्र व्यवहार का पूरा पता स्पष्ट अक्षरों में लिखा जाना चाहिए। आवेदन-प्रपत्र हेतु प्रार्थनापत्र के लिफाफे पर "राजेन्द्र/मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण के लिए आवेदन प्रपत्र हेतु प्रार्थनापत्र"—ये शब्द बाएं हाथ की ओर कोने पर शीर्ष भाग में लिफाफे पर अंकित होना चाहिए।

विवरण पत्रिका

दोनों पाठ्यक्रमों का पूरा विवरण तथा शुल्कों, छात्रवृत्तियों आदि के विवरण सहित विवरण पत्रिका रु० 4/- के पृथक रेखांकित पोस्टल आर्डर के भुगतान पर जो कि नौवहन महानिदेशक के पक्ष में लिया हुआ हो तथा जी० पी० ओ०, बम्बई में भुगतान योग्य हो, प्राप्त की जा सकती है। विवरण पत्रिका की आपूर्ति के लिए पूरा पत्र व्यवहार का पता स्पष्ट अक्षरों में लिख कर एक अलग आवेदन-पत्र कार्यकारी अधिकारी (प्रशिक्षण) नौवहन महानिदेशालय, जहाज भवन, बालचन्द हीराचन्द मार्ग, बम्बई-400038 के पास भेजना चाहिए। विवरण पत्रिका आपूर्ति के लिये आवेदन पत्र के लिफाफे पर बायें कोने पर शीर्ष भाग में "विवरण पत्रिका हेतु निवेदन"—शब्द अंकित होना चाहिए।

अंतिम तारीख

अविवाहित पुरुष अभ्यर्थियों से विहित प्रपत्र पर सब प्रकार से पूर्ण आवेदन-पत्र कार्यकारी अधिकारी (प्रशिक्षण), नौवहन महा-

निदेशालय, जहाज भवन, बालचन्द हीराचन्द मार्ग, बम्बई-400038 के पास 31 मार्च, 1978 को या उससे पूर्व पहुंच जाना चाहिए। रिक्त आवेदन प्रपत्र की डाक द्वारा आपूर्ति 24 मार्च, 1978 को बंद हो जायेगी।

ओ० पी० मल्होत्रा,
एग्जीक्यूटिव आफिसर,
जहाजरानी निदेशालय

निर्माण महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 फरवरी 1978

सं० 23/2/77-ई० सी०-2—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित अधिकारी शार्धक्य की आयु (58 वर्ष) प्राप्त करके 31 जनवरी, 1978 (दोपहर बाद) सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

क्रम सं०	नाम और पद	कार्यालय
1.	श्री प्यारा सिंह महल कार्यपालक इंजीनियर	कार्यपालक इंजीनियर (एल० एफ०) के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली।
2.	एम० जी० मन्शारमानी कार्यपालक इंजीनियर	सर्वेक्षक (निर्माण) 3, लो० नि० वि० (दि० प्रा०), नई दिल्ली।
3.	एम० सी० मेहरा कार्यपालक इंजीनियर	लोक निर्माण विभाग मंडल-14, नई दिल्ली।

सु० सू० प्रकाश राव
प्रशासन उप-निदेशक
कृते महानिदेशक (निर्माण)

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

महाप्रबन्धक (का०) का कार्यालय

गुवाहाटी-781011, दिनांक 6 फरवरी 1978

सं० ई/55/III/91 भाग-III (0)—श्री आर० के० दत्त, जिन्हें उच्च वित्त स्थापना के परिचालन (यातायात) और वाणिज्य विभाग में सहायक अधिकारी परीक्षाधीन नियुक्त किया गया था, को दिनांक 20-12-1978 से अवर वेतनमान में स्थायी किया जाता है।

सं० ई०/55/III/94-भाग-III (0)—श्री पी० एन० डोराइस्वामी, जिन्हें भारतीय रेलवे की उच्च वित्त स्थापना के मिथिल इंजीनियरी विभाग में परीक्षाधीन नियुक्त किया गया था, को दिनांक 20-1-78 से अवर वेतनमान में स्थायी किया जाता है।

एम० आर० एन० मूर्ति,
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य संचालन

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और इन्दौर बाटलिग कम्पनी लिमिटेड के विषय में।

ग्यालियर, दिनांक 9 फरवरी 1978

सं० 1252/ए०/77-78/826—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर इन्दौर बाटलिग कम्पनी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दक्षित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जसराम बोहरा
कम्पनी रजिस्ट्रार
मध्य प्रदेश, खलियर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सदरन पालि प्लास्टिक प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1978

सं० 6284/560 (3)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर सदरन पालि प्लास्टिक प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दक्षित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कारडमम प्लान्टर्स यूनियन हाई स्कूल कम्पिटी के विषय में।

मद्रास, दिनांक 19 जुलाई 1977

सं० 446/560 (3)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर कारडमम प्लान्टर्स यूनियन हाई स्कूल कम्पिटी का नाम इसके प्रतिकूल कारण दक्षित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

के० पञ्चापकेणन
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
तमिलनाडू

कम्पनी अधिनियम, 1956 और इतकनटिमेन्द फेडरी कम्पनी प्राईवेट लि० (समापनअन्तर्गत) के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 9 फरवरी 1978

सं० एल०/27718/एच० डी०/1809—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 की उपधारा 2 के अनुसरण

में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि आदरणीय उच्च-न्यायालय कलकत्ता ने दिनांक 25-5-76 के आदेशानुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का आदेश दिया है और राजकीय समापक, उच्चन्यायालय, कलकत्ता को उसका राजकीय समापक नियुक्त किया है।

एन० एन० मौलिक
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल, कलकत्ता

कार्यालय आयकर आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1978

आयकर

सं० जुरि-दिल्ली/5/77-78/42986—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस सम्बन्ध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि दिनांक 20-1-78 से निम्नलिखित आयकर सॉकिल बनाए जाएंगे।

1/डिस्ट्रिक्ट-4 (3) अतिरिक्त, नई दिल्ली।

सं० जुरि-दिल्ली/5/77-78/43137—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले जारी की गई अधिसूचनाओं में आंशिक संशोधन करते हुए, आयकर आयुक्त, दिल्ली-5 निदेश देते हैं कि आयकर अधिकारी, डि०-4(3) अतिरिक्त, नई दिल्ली का आयकर अधिकारी डि०-4(3), नई दिल्ली के साथ उनके द्वारा निर्धारित/निर्धारण योग्य व्यक्तियों/मामलों के बारे में समवर्ती अधिकार क्षेत्र होगा। किन्तु इनमें वे मामले शामिल नहीं होंगे जो धारा 127 के अन्तर्गत सौंपे गए हों या इसके बाद सौंपे जाएं।

कार्यों के निष्पादन की सुविधा के लिए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-5सी को यह प्राधिकार भी देते हैं कि वे, जैसा कि आयकर अधिनियम 1961 की धारा 124 की उपधारा 2 में अपेक्षित है, आदेशों को भी पास करें।

यह अधिसूचना 28-1-1978 से लागू होगी।

दिनांक 10 फरवरी 1978

सं० जुरि/दिल्ली/5/77-78/43547—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस बारे में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले के सभी आदेशों में आंशिक परिवर्तन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे अनुसूची के कालम-1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त उसी अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्टों/सॉकिलों के आयकर अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों या व्यक्तियों, या व्यक्तियों के वर्गों,

आय या आय के वर्गों तथा मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में उक्त अधिनियम के अन्तर्गत निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त के सभी कार्य करेंगे।

अनुसूची

रेंज	आयकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल
1	2
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त रेंज-5ए, नई दिल्ली	डि०-2(1)एडमन० 2(2), 2(3), 2 (4), 2 (5), 2 (6), 2 (7), 2 (8), 2 (9), 2 (10), 2 (11), 2 (12), 2 (13), 2 (14), 2 (15) व 2 (16), नई दिल्ली।

1	2
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-5बी, नई दिल्ली।	1. डि०-3 (19), 3 (20), 3 (27), नई दिल्ली। 2. डि०-7, नई दिल्ली। 3. डिस्ट्रिक्ट-9, नई दिल्ली। 4. रिफंड सर्किल, नई दिल्ली। 5. डि० 1 (1), 1 (2), 1 (3) व 1 (4), नई दिल्ली।
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-5सी, नई दिल्ली।	1. डिस्ट्रिक्ट-4, नई दिल्ली। 2. विदेश अनुभाग, नई दिल्ली। 3. डाक्टर्स सर्किल, नई दिल्ली।

यह अधिसूचना 18-2-1978 से लागू होगी।

के० आर० राघवन
आयकर आयुक्त, दिल्ली-5
नई दिल्ली।

प्रारूप धाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1978

निर्देश सं० एल० डी० एच०/106/77-78/—अतः मुझे नत्थू राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 58 कनाल 11 मरला जिसका खाता नं० 77/89 है तथा जो गांव : हावास, तहसील व जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गुरबखस सिंह, पुत्र डा० चंदासिंह, वासी गांव : हावास तहसील व जिला लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्री बरिजपाल सिंह पुत्र गियान सिंह गरेवाल, वासी गांव, हावास, तहसील व जिला : लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 58 कनाल 11 मरला है और खाता नं० 77/89 है और जो गांव हावास, तहसील व जिला लुधियाना में स्थित है।

जायदाद जैसा के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख नं० 935 में दर्ज है।

नत्थू राम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 फरवरी 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1978

निर्देश सं० एल० डी० एच/107/7-78—अतः मुझे,
नत्थू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 58 कानाल 11 मरला है और खाता नं० 77/89 है तथा जो गांव हावास, तसील व जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्रीमत्ती मलवंत कौर पुत्री डा० चंदा सिंह वासी गांव हावास, तहसील व जिला लुधियाना (अन्तरक)

2. श्री मुहिन्द्रपाल सिंह पुत्र श्री गियान सिंह गरेवाल वासी गांव : हावास, तहसील व जिला : लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 58 कानाल 11 मरला, और खाता नं० 77/89, जोकि गांव हावास तहसील व जिला : लुधियाना में स्थित है।

जारोवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख नं० 936 जून 1977 में दर्ज है।

नत्थू राम,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 15 फरवरी 1978।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, आयर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1978

निदेश सं० एल० डी० एच०/220/77-78/342—

अतः मुझे नत्थू राम,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 58 कनाल 11 मरला है और जिसका खाता नं० 77/89 है तथा जो गांव : हावास तहसील व जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी भाय या किसी घन या अन्य प्राप्ति को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरबखस सिंह पुत्र डा० गंगा सिंह वासी गांव : हावास, तसील व जिला लुधियाना ।

(अन्तरक)

2. श्री मुहिन्द्रपाल सिंह पुत्र श्री गियान सिंह गरेवाल वासी गांव : हावास, तसील व जिला : लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जेन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 58 कनाल 11 मरला, और खाता नं० 77/89, जो कि गांव हावास, तहसील व जिला लुधियाना में स्थित है ।

जायदाद जैसा के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख नं० : 974 जून 1977 में दर्ज है ।

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, लुधियाना ।

तारीख : 15 फरवरी 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1978

निदेश सं० एल० डी० एच०/221/77-78—अतः मुझे,

नत्थू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 58 कानाल 11 मरला जिसका खाता नं० 77/89 है तथा जो गांव हावास, तसील ब जिला : लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिभे तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मिलवंत कौर, पुत्री डा० चंदा सिंह वासी गांव : हावास, तसील ब जिला : लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्री बरिजपाल सिंह पुत्र श्री गिरान सिंह गरेवाल वासी गांव : हावास, तसील ब जिला लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 58 कानाल 11 मरला है और जिसका खाता नं० : 77/89 और जो गांव : हावास तसील ब जिला लुधियाना में स्थित है।

जायदाद जैसा के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख नं० 973 जून 1977 में दर्ज है।

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

तारीख : 15 फरवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1978

निदेश सं० एल० डी० एच०/88/77-78—अतः मुझे,
नत्थू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269B
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट क्षेत्रफल 210 वर्ग गज है तथा जो कि
मौजा तराक सौदा तहसील और जिला लुधियाना में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून,
1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :--

1. श्री रतन चन्द पुत्र श्री फतेह चन्द दुआरा स्वदेशी बुल
फैक्टरी, बलाही बाजार, लुधियाना

(अन्तरक)

2. (i) श्री योग राज पुत्र श्री अमर नाथ, मत्तुप्ररूपल
कमिशनर,

(ii) श्रीमती भगवन्ती वशिष्ठ पत्नी योग राज निवासी
दोराहा मण्डी, लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट क्षेत्रफल 210 वर्ग गज जो कि तरफ सैदा तहसील और
जिला लुधियाना में स्थित है।

(जोयेदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के विलेख नं०
820 जून, 1977 को लुधियाना के कार्यालय में लिखा है)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 फरवरी 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1978

निदेश सं० एल० टी० एच०/90/77-78—अतः

नत्थू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट क्षेत्रफल 1000 वर्ग गज है तथा जो ढंडारी कला तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. मैसर्स अमर महिन्दर इन्डस्ट्रीयल कारपोरेशन (रजि०) गिल रोड, मिलर गंज, लुधियाना

(अन्तरक)

2. मैसर्स भंवर मशीन टूल्ज (इंडिया) 493, जनता नगर, गिल रोड, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

मनुष्य

प्लॉट क्षेत्रफल 1000 वर्ग गज जो कि ढंडारी कला तहसील लुधियाना में स्थित है ।

(जायदाद जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के विलेख नं० 829 जून, 1977 में लुधियाना के कार्यालय में लिखा है)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 फरवरी 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1978

निर्देश सं० एल० डी० एच०/117/77-78—अतः मुझे

नत्थू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान क्षेत्रफल 54 1/2 वर्ग गज तथा जो चौड़ा बाजार, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित:—

1. श्री मूलक राज पुत्र श्री राम लाल 250-आर०, माडल टाऊन, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. स० परमजीत सिंह व श्रीमती सुरिन्द्र कौर पत्नी श्री सरदार सिंह, निवासी 309, माडल टाऊन, लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान क्षेत्रफल 54 1/2 वर्ग गज जो कि (नं० बी० 4/1968) चौड़ा बाजार, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के विलेख नं० 1031 जून, 1977 के लुधियाना के कार्यालय में लिखा है)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 फरवरी 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1978

निदेश सं० बी० डब्ल्यू० एन०/2/77-78/—अतः

मुझे नत्थू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 41 बिघा 9 बिसवा है तथा जो गांव बालाड खुरद तहसील व जिला संगरूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भवानीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

3—486GI/77

1. सर्व श्रीमती और श्री (i) श्री० जंगीर कौर (विधवा) (ii) जखेल सिंह (iii) तेजा सिंह पुत्र श्री मनकंडी सिंह (iv) करनैल सिंह (v) तेजो (vi) गुडी उर्फ अमर कौर वासी गांव बालाड खुरद डा० भिवानीगढ़, तहसील संगरूर।
(अन्तरक)

2. सर्वश्री (i) जोगिंद्र सिंह (ii) मुहिन्द्र सिंह (iii) जगसिंह (iv) हाकाम सिंह पुत्र श्री शेर सिंह, वासी बालाड खुरद, डाकखाना भवानी गढ़ तहसील, संगरूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 41 बिघा 9 बिसवा खाम खाता नं० 105/174 खसरा नं० 954/1 3-15 935/5-6 956/5-17 957/6-5 958/13-15 959/13-15 960/7-4 963/10-9 961-962/5-3 किल्ले 9 जो के गांव : बालाड खुरद, डाकखाना : भवानी गढ़ तहसील तथा जिला संगरूर में स्थित है।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भवानी के विलेख सं० 159 जून 1977 में दर्ज है।

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 फरवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1978

निर्देश सं० एल० डी० एच०/222/77-78/—अतः

मुझे नत्थू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमी जमका क्षेत्रफल 10 कनाल है तथा जो शेरपुर रोड बाईपास, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने की सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री अनंद सारूप पुल भुपिन्द्र सिंह, वासी गांध भाही तहसील लुधियाना ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स आरती स्टील, फिरोजपुर रोड, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रहोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 10 कनाल है और जो शेरपुर रोड; बाईपास, लुधियाना में स्थित है ।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना के विलेख नं० 1574 जून 1977 में दर्ज है ।

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-2-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री गुरचरन सिंह पुत्र श्री नरंजन सिंह बासी गांव : रकबा तहसील जगराऊ (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1978

निर्देश सं० एल० डी० एच०/115/77-78—अतः मुझे, नत्थू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 5 कनाल तथा जो शेरपुर रोड, बाईपास लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

2. मैसूरज आरती सटील, फिरोजपुर रोड, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल है और जो शेरपुर रोड बाईपास लुधियाना में स्थित है।

जायदाद जैसा के रजिस्ट्रीकरता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना के विलेख नं० 1006 जून 1977 में दर्ज है।

नत्थू राम,
सक्षम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियानातारीख : 15-2-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1978

निदेश सं० एल० डी० एच०/165/77-78—अतः
मुझे नत्थू राम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल है तथा जो
जोरपुर रोड, बाईपास, लुधियाना में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त,
1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री गुरचरन सिंह पुत्र श्री नारंजन सिंह, वासी गांव
राकबा तासील : जगराऊं,

(अन्तरक)

2 मैसर्स आरती सटील, फिरोजपुर रोड, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल है और जो के जोरपुर रोड,
बाईपास, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा के रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय
लुधियाना के विलेख नं० 1485 अगस्त, 1977 में दर्ज है।)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 फरवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1978

निदेश सं० एल० डी० एच०/1355/77-78—अतः

मुझे, नत्थू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1016 वर्ग गज है तथा
जो तर्क गहलेवाल, तासील लुधियाना में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने के लिये सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 (i) श्रीमती समी देवी (ii) श्री उमेश कुमार पुत
डा० फकीरचंद, बार्सी 3/45, रूपनगर, दिल्ली (अन्तरक)

2 (i) श्रीमती रीना पत्नी श्री किशन कुमार, (ii)
श्रीमती नीता, पत्नी श्री विनोद कुमार, बार्सी 648, रूपा मिसतरी
गली, लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट, क्षेत्रफल 1016 वर्ग गज जो के तरफ गहलेवाल,
तासील बजिला लुधियाना में स्थित है।

जायदाद जैसा के रजिस्ट्रीकरता अधिकारी के कार्यालय
लुधियाना के विलेख न 1268 जुलाई 1977 में दर्ज है।

नत्थू राम
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 फरवरी 1978

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1978

निदेश सं० एल० डी० एच०/156/77-78/—अतः

मुझे, नत्थू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट क्षेत्रफल 1200 वर्ग गज है तथा जो कि तरफ गहलेवाल तहसील लुधियाना, (कालेज रोड) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनु-मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 (i) श्रीमती सरमा देवी (ii) श्री उमेश कुमार पुत्र श्री फकीर चन्द निवासी 3/45, रूप, नगर दिल्ली। (अन्तरक)

2 (i) श्रीमती बिमला देवी पत्नी शिवपाल (ii) श्रीमती अरुणा देवी सतीश कुमार निवासी 648, रूपा मिस्त्री स्ट्रीट लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट क्षेत्रफल 1200 वर्ग गज जो कि तरफ गहलेवाल तहसील और जिला लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के विलेख नं० 1273, जुलाई, 1977 को लुधियाना के कार्यालय में लिखा है)।

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 फरवरी 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, प्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1978

निर्देश सं० एल० डी० एच०/217/77-78—अतः
मुझे नत्थू राम,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रिहायशी मकान क्षेत्रफल 302.2 वर्ग गज एम० सी० नं० 426/4 बी०, 26 है तथा जो माना सिंह कलोनी, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तु :—

1 श्री नरेश कुमार पुत्र श्री देम राज, निवासी 1341/बी० 13, सुखरम नगर, लुधियाना । (अन्तरक)

2 श्रीमती सरोज गुप्ता पत्नी देश राज निवासी 77-एक्स्टर रोड, नोटिंगम, इंग्लैंड हाल श्रीमती सरोज गुप्ता पुत्री मुनी लाल पत्नी देश राज, बी०-II, माली गंज चौक, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

रिहायशी मकान क्षेत्रफल 302.2 वर्ग गज, एम० सी० नं० 426/4 बी० 26 जो कि माना सिंह कलोनी, लुधियाना में स्थित है ।

(जयदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के विलेख नं० 2363 अक्तूबर, 1977 को लुधियाना के कार्यालय में लिखा है ।)

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 फरवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1978

निर्देश सं० पी० टी० ए०/16/77-78—अतः, मुझे, नत्थू राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन क्षेत्रफल 16 कनाल ० मरला है तथा जो कि गांव तरिपड़ी तहसील और जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल

का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्वियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रस्तावित :—

1 श्री दौलत राम पुत्र हकम चन्द निवासी फैक्टरी एरिया, उपकार नगर मकान न० 10162/5, पटियाला (अन्तरक)

2 सर्व श्री जीत सिंह इन्द्र सिंह पुत्रान श्री तेजा सिंह, निवासी गांव झिल तहसील पटियाला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 16 कनाल ० मरला जो कि गांव तरिपड़ी तहसील और जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के विलेख न० 1497 जून, 1977 को लुधियाना के कार्यालय में लिखा है)।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 फरवरी 1978

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1978

निदेश सं० एल० डी० एच०/84/77-78—अतः, मुझे,
नरथू राम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269(1)
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक घर क्षेत्रफल 166 2/3 वर्ग गज है तथा जो
मुहला गुरु नानक नगर, तरफ सैदा लुधियाना में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
जून, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269(1) के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269(1) के उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

4-486GI/77

1. (i) श्री सुरेश कुमार पुत्र (ii) श्रीमती सवरना देवी
वा पत्नी श्री कैलाश चंद्र बासी माधो पुरी लुधियाना (अन्तरक)

2. श्रीमती सत्य बती विधवा श्री किशन चंद बासी बागवाली
गली बी VI/326, कुच्या संता नाथी राम, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक घर जिसका क्षेत्रफल 196, 2/3 वर्ग गज है और जो
मुहला गुरु नानक नगर, तरफ सैदा लुधियाना में स्थित है।

जारोदाद जैसा के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
लुधियाना के विलेख नं० 772 जून, 1977 में दर्ज है।

नरथू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 फरवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1978

निदेश सं० एल० डी० एच०/87/77-78—अतः

मुझे, नत्थू राम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० घर नं० 547-आर०, बी-XVIII/66 है तथा जो
माडल टाउन लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के
कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
'और/या'

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वरियाम सिंह, पुत्र श्री गन्डा सिंह वासी 547-आर०
माडल टाउन, लुधियाना (अन्तरक)

2. श्री हरीकिशन गुप्ता, पुत्र श्री कुलवन्त राय 235-एल,
माडल टाउन, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर नं० 547-आर०, बी-XVIII/66, जो कि माडल टाउन
लुधियाना में स्थित है ।

जायदाद जैसा के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के
विलेख नं० 794 जून 1977 में दर्ज है ।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 फरवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/1293/77-78/
5593—अतः, मुझे एन० एस० चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या सी-8/15 है तथा जो कृष्ण नगर, दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
17-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राकेश अग्रवाल, सुपुत्र श्री किशन लाल अग्रवाल
(2) श्री रामजी दास अग्रवाल सुपुत्र श्री देवी सहाय, निवासी
300 सुभाष बाजार, खेरठ सीटी (यू० पी०) (3) श्रीमती
सत्यावती गर्ग, पत्नी श्री रघुनन्दन प्रसाद गर्ग, निवासी
एफ-2/2, कृष्ण नगर, दिल्ली (4) श्री बी० पी० गोयल,
सुपुत्र श्री सौहन लाल गोयल, निवासी एफ०-3/25, कृष्ण
नगर, दिल्ली। जोकि मंगू रानी बनाम मंजु रानी पत्नी श्री
शाम लाल गुप्ता के जर्नल पावर आफ अटारनी है, निवासी
द्वारा इन्जिनियरींग इन्सटीच्यूट, पटियाला (पंजाब)।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शारदा देवी, पत्नी श्री शांती सारूप, निवासी
ई-5/7, कृष्ण नगर, दिल्ली-51।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्रांक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुमंजिला मकान जोकि 88 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट
पर बना हुआ है, जिसका नं० सी०-8/15 है; कृष्ण नगर, दिल्ली
में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : रोड़

पश्चिम : प्लॉट नं० सी०-8/15 का शेष भाग

उत्तर : प्लॉट नं० सी०-8/15 का शेष हिस्सा

दक्षिण : प्लॉट नं० सी०-8/15 का शेष हिस्सा

एन० एस० चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II नई दिल्ली 1

तारीख : 6-2-1978

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1294/77-78/
5593—अतः मुझे, एन० एस० चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या सी-8/15 है तथा जो कृष्ण नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1980 का 16) के अधीन तारीख 17-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सत्यावती गर्ग, पत्नी श्री रघुनन्दन प्रसाद गर्ग, निवासी एफ०-2/2 कृष्ण नगर, दिल्ली-51 (2) श्री बी० पी० गोयला, सुपुत्र डा० सोहन लाल गोयला, निवासी एफ० 3/25, कृष्ण नगर, जोकि श्रीमती मंगू रानी बनाम मंजु रानी, पत्नी श्री शाम लाल गुप्ता के जनरल पावर आफ अटारनी है।

(अन्तरक)

2. श्री रामेश अग्रवाल, सुपुत्र श्री किशन लाल अग्रवाल, (2) श्री रामजी दास अग्रवाल, सुपुत्र श्री देवी सहाय, निवासी 300, सुभाष बाजार मेरठ सिटी (यू० पी०) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुमंजिला मकान जोकि 63.1/4 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है तथा जायदाद नं० सी०-8/15 का हिस्सा है, कृष्ण नगर, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : रोड़

पश्चिम : प्लॉट नं० सी०-8/15 का शेष हिस्सा

उत्तर : प्लॉट नं० सी०-8/15 का शेष हिस्सा

दक्षिण : रोड़

एन० एस० चौपड़ा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 6 फरवरी 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14 क आसफअली मार्ग, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1297/77-78/
5593—अतः मुझे एन० एम० चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या 7857 है तथा जो नई बस्ती, बाड़ा हिन्दू राव,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
2-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री ओम प्रकाश शर्मा, सुपुत्र पं० सीता राम, निवासी
7857, नई बस्ती, बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली (अन्तरक)

2. नई बस्ती समाज सुधार सभा, नई बस्ती, बाड़ा हिन्दू राव,
दिल्ली। इनके प्रेजिडेंट श्री० देवी दयाल के द्वारा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुमजिला मकान जोकि 108 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर
बना हुआ है, जिसका मुन्थमिपल नं० 7857, वार्ड नं० 14 है,
नई बस्ती, बाड़ा हिन्दू राव दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : जायदाद नं० 7858

पश्चिम : जायदाद नं० 7856

उत्तर : अन्य की जायदाद

दक्षिण : रोड़

एन० एम० चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 6 फरवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II दिल्ली

4/14 क आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 11/1295/77-78/5593—अतः मुझे एन० एस० चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभ्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या दुकान नं० 284 तथा 285 है तथा जो फतेहपुरी, चांदनी चौक दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परन्तु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जे० एस० डिलोन, सुपुत्र श्री एस० बी० इन्द्र सिंह, निवासी डब्ल्यू 146 ग्रेटर कोलाश, नई दिल्ली स्वयं के तथा श्री० पतवन्त के लिए जर्नल अटारनी (2) श्रीमती गुरदीप नौनिहाल कौर (2) श्रीमती रासिल बासु जोकि सरदार राम सिंह काबली तथा सरदारनी हरनाम कौर ट्रस्ट के लिए ट्रस्टी है। निवासी 11, राटेण्डन रो, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री राजेंद्रमोहन तथा श्री० राधे मोहन सुपुत्र श्री ललीत मोहन, निवासी 177, राऊज एवेन्यू रोड नई दिल्ली तथा 2682, गली नं० 1, बिदनपुरा, करोल बाग नई दिल्ली (अन्तरिती)

3. मै० ललीत एण्ड कं० (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो दुकाने जिनके साथ पीछे का हिस्सा भी है, 157 वर्ग गज क्षेत्रफल की भूमि पर बनी हुई है, जिसका नं० 284 तथा 285 है फतेहपुरी, चांदनी चौक, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : मरकनटाईल बैंक आफ इन्डिया तथा रास्ता

पश्चिम : फतेहपुरी रोड

उत्तर : दुकान नं० 286

दक्षिण : रास्ता

एन० एस० चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 6 फरवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1978

निर्देश सं० ए० सी०/एक्यू० 11/1296/77-78/5622—

अतः मुझे एन० एस० चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या 56 वार्ड नं० 7, है तथा जो जवाला नगर, चन्द्रवाली, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. श्रीमती वृज किशोरी देवी, पत्नी श्री बसंत लाल जन तथा श्री विनोद कुमार जैन, सुपुत्र श्री बसंत लाल जन, निवासी 1430, गली संघियन, चांदनी चौक, दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री हर नाथ सेठ (2) श्री बदरी नाथ सेठ (3) श्री दीप किशन सेठ सभी श्री राधा रमण सेठ के पुत्र हैं (4) श्री अशोक कुमार (नाबालिग) सुपुत्र श्री काशी नाथ सेठ, निवासी 7/56 सरकुलर रोड शाहदरा, दिल्ली (अन्तरिती)

3. श्री काशी नाथ सेठ (2) श्री कृष्ण गोपाल (3) श्रीमती राम किशोरी (4) श्री निरंजन देव (5) श्री मोती लाल (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जोकि 665 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका मुन्यसिपल नं० 56, वार्ड नं० 7 है, जोकि कोठी शाम कुटी या गोविन्दजी भवन के नाम से जाना जाता है, जवाला नगर, चन्द्रवाली, शाहदरा, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : 15' चौड़ी सड़क

पश्चिम : 60' चौड़ी सड़क

उत्तर : कोयले का खुली डिपो

दक्षिण : मकान नं० 56 ए बना हुआ।

एन० एस० चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 16 फरवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 फरवरी 1978

निदेश सं० 4 /जून/77—यतः मुझे ए० टी० गोविन्दन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 47 और 48/2 है, जो तिरुची मन रोड सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम (पत्र सं० 918/77) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जन 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० पी० सेन्डरायन और सन्डरायपेरुमाल (अन्तरक)

(2) श्री ए० तियागराजन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम, दादगपट्टी, आर० एस० सं० 47 और 48/2 में 60 सेन्ट की भूमि और मकान में 1/3 भाग।

ए० टी० गोविन्दन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, मद्रास।

तारीख : 15 फरवरी 1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पी० रामचन्द्रन और आदी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० तियागराजन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 फरवरी 1978

निदेश सं० 5 /जन/77/—यतः मुझे, ए० टी० गोविन्दन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० आर० एस० सं० 47 और 48/2 है, जो तिरुची
मैन रोड सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम (पत्र
सं०) 919/77 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

5-486 GI/77

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम, वादागपट्टी तिरुची मन रोड आर० एस० सं० 47
और 48/2 में 60 सेन्ट की भूमि और मकान में 1/3 भाग।

ए० टी० गोविन्दन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 15 फरवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 फरवरी 1978

निदेश सं० 6/जून/77—यतः, मुझे ए० टी० गोविन्दन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 47 और 48/2 है, जो तिरुची मेन रोड सेलम में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम (पत्र सं० 920/77) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या सम्पत्ति आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आर० एस० पी० गोविन्दराजन और आदी (अन्तरक)

(2) श्री ए० तियागराजन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम, दादगापट्टी, तिरुची मेन रोड आर० एस० सं० 47 और 48/2 में 60 सेन्ट की भूमि और मकान में 1/3 भाग।

ए० टी० गोविन्दन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 15-2-78
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास दिनांक 15 फरवरी 1978

निर्देश सं० 45/जन/77—अतः मुझे ए० टी० गोविन्दन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० ए० बी० सुब्रमणियम स्ट्रीट, मद्रास-10, जो में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 1745/
77) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
16 के अधीन 16 28-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात्—

(1) श्री के० ए० सुब्रमणियम और आदी

(अन्तरक)

(2) श्री केरला मुसलिम एडुकेशन सोसैटी

(अन्तरिती)

(3) श्री के० पी० के० मनन

(वह व्यक्ति जिसके आधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) टी० एल० रामसेशन

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-10, लान्डन्स गार्डन, सुब्रमणियम स्ट्रीट डोर सं० 1,
1 ए और 1 बी (आर० एस० सं० 154/12 भाग) में 11 प्राऊन्ड
और 1955 स्कुयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

ए० टी० गोविन्दन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख : 15-2-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 14 फरवरी 1978

निदेश सं० ए० पी० 1745—यतः मुझे बी० एस० दाहिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और

जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में वर्णित है तथा जो मोता सिंह नगर जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1977।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सर्वणसिंह पुत्र श्री मोहर चन्द निवासी जाडियाला, जिला जालन्धर

(अन्तरक)

2. (i) श्री खुशाल सिंह पुत्र श्री मुन्शा सिंह (ii) प्रीतम कौर पति श्री खुशाल सिंह निवासी परागपुर तहसील जालन्धर

(अन्तरिती)

3. श्री जैसा कि ऊपर न 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि विलेख नं० 1689 जून-77 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एस० दाहिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, जालन्धर

दिनांक : 14 फरवरी 1978

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 फरवरी 1978

निदेश सं० ए० पी० 1746—यतः मुझे बी० एस० दाहिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बहरम सरीशटा, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जन 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती अमर कौर विधवा श्री हरनाम सिंह निवासी बहरम सरिशटा, तहसील जालन्धर
(अन्तरक)

2. गुरमल सिंह, हरदेव सिंह पुत्र श्री प्यारा सिंह, निवासी बहरम सरिशटा, तहसील जालन्धर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि विलेख नं० 1445 जून 1977 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दाहिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 14 फरवरी 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 फरवरी 1978

निर्देश सं० ए० पी० 1747—यतः मुझे बी० एस० दहिया, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है जो अलावलपुर जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री भदर सैन पुत्र श्री केवल कृष्ण (खुद) तथा जी० ए० 1. बिमला देवी 2. सत्य देवी पुत्रीयां श्री केवल कृष्ण 3. सत्या पाल 4. इन्द्र सैन पुत्र श्री केवल कृष्ण 5. राम बक्श पुत्र श्री बेली राम, निवासी अलावलपुर, तहसील जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री करनैल सिंह, सुरिन्द्र सिंह, अजीत सिंह तथा नसीब सिंह पुत्र श्री शंकर सिंह निवासी दौलत पुर, तहसील जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता हो।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 1133 जून 77 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम अधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख : 14-2-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 फरवरी 1978

निवेदन सं० ए० पी०-174—यतः सुखे बी० एस० दहिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो सराय खास, जालन्धर में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्यारा सिंह पुत्र श्री संता सिंह निवासी सराय खास जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री तरसेम सिंह जरनैल सिंह, जसवंत सिंह पुत्र श्री महेगा सिंह पुत्र श्री सुरैत सिंह, निवासी सराय खास, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 2053 जून 1977 को रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन, रेंज जालन्धर

तारीख : 14 फरवरी 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 फरवरी 1978

निर्देश सं० ए० सी० 1749—यतः मुझे बी० एस० दहिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जसा कि अनुसूची में है तथा जो पूर्ण जवाहर नगर,
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख जून 1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री केवल कुमार प्रेम नाथ पुत्र श्री सतपाल, निवासी न्यू
जवाहर नगर जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री तरलोक नाथ पुत्र श्री अघुर राम निवासी जंडियाला,
तहसील फिलौर जिला जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि विलख नं० 1886 जून 77 को रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एस० दहिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 14-2-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 फरवरी 1978

निदेश सं० ए० पी० 1750 —यतः मुझे, बी० एस० दाहिया,

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो कूल रोड़, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

6-486GI/77

1. श्री सुदेश मोहता पत्नी डाक्टर जतीन्द्र कुमार महता जी० ए० आफ श्रीमति सरोज बाला जैन पत्नी श्री नेम चंद जैन मार्फत पी एस० जैन मोर्टेज, जी० टी० रोड़, जालन्धर (अन्तरक)

2. डाक्टर जातिन्द्र कुमार महता, 495-आर माडल टाउन, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-बद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट जैसा कि विलेख नं० 3562 अगस्त 77 की रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दाहिया
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख 14 फरवरी 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 फरवरी 1978

निदेश सं० ए० पी० 1751—यतः मुझे, बी० एस०
वाहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जगरावा,
(जालन्धर) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कर्मजीत सिंह पुत्र श्री गुरुमुख सिंह पुत्र श्री ईवर सिंह,
निवासी जगरावा, (जालन्धर) (अन्तरक)

2. श्रीमती प्रीतम देवी पत्नी श्री कर्मचन्द पुत्र श्री खुशाल
चन्द, 107-अमर गार्डन, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 1300 जून 77 को रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० वाहिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 14 फरवरी 1978
मोहर ;

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 फरवरी 1978

निदेश सं० ए० पी०-1752 -- यतः मुझे, बी० एस०
दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है जो साईंमाल (जालन्धर
में स्थित है (और इससे उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् --

1. श्रीमती सलीन्द्र कौर, बलवीन्द्र कौर पुत्रियां श्रीमती
अजीत कौर पत्नी श्री ईन्द्र सिंह, निवासी बुलोवाल, (जालन्धर)
(अन्तरक)
2. श्री दलीप सिंह पुत्र श्री पाला सिंह 2. सुरजीत कौर
पत्नी श्री करनैल सिंह, वस्ती ईबराहीमपुर, जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 1230 जून 77 को रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एस० दहिया,

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 14 फरवरी 1978

मोहर :

रूप आई० दी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 फरवरी 1978

निर्देश सं० ए० पी०-1753— यतः मुझे, बी० एस०
दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है जो खुन-खुन, (जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री बखशीश सिंह पुत्र श्री गुरदीत सिंह द्वारा जो० ए०
अमर सिंह निवासी खुन-खुन, जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री बलदेव सिंह, कुलवीप सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह,
निवासी कांग साबू, जालन्धर (अन्तरिती)

जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध
है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 2068, जून 77 को रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्ज रेंज, जालन्धर

तारीख : 14 फरवरी 1978
मोहर :

प्रथम भाई० श्री० एन० एन० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 फरवरी 1978

निदेश सं० ए० पी०-1754/375--यतः मुझे बी० एस०

दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो न्यू बिजय नगर
(जालन्धर) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
इसमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई कितनी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री बलवंत राम पुत्र श्री अमीयात राम निवासी बस्ती
नौ, जालन्धर (अन्तरक)

2. (1) श्री इन्द्र सैन (2) सुधीर सैन पुत्र श्री भीम सैन,
150-विजय नगर, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्रवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट जैसा कि विलेख नं० 1811 जून 77 को रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 16 फरवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 फरवरी 1978

निदेश नं० ए० पी० 1755/376—यतः मुझे बी० एस०
वहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून
1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या प्रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सोहन लाल कोहली पुत्र श्री सोताराम, 238-लाजपत
राए नागर, जालन्धर (अन्तरक)

2. मैं डी० आर० पी० मैटल वर्क्स, द्वारा श्री प्रेम नाथ,
होशियारपुर रोड, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 1467 जून 77 को रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० वहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 16 फरवरी 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 फरवरी 1978

निदेश सं० ए० पी० 1756/377—यतः मुझे बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गांव नारपुर (जालन्धर) में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री प्रीतम सिंह पुत्र श्री विमल सिंह निवासी नारपुर, तहसील जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री मोहन सिंह पुत्र श्री बन्ता सिंह पुत्र श्री बेला सिंह निवासी पत्तर कला, तहसील जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 1410 जून 77 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है

बी० एस० दहिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 16 फरवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 फरवरी 1978

निदेश सं० ए० पी० 1757/378—यतः मुझे, बी० एस०

दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बस्ती दानीशमन्दा (जालन्धर) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री मोहिन्द्र सिंह पुत्र श्री प्रेम सिंह (2) करम जीत सिंह (3) मजीत सिंह पुत्र श्री मोहिन्द्र सिंह, निवासी बस्ती दानीशमन्दा, जालन्धर (अन्तरक)

2. (1) दर्शन लाल पुत्र श्री नानक राम (2) मखन लाल पुत्र श्री धली राम (3) आसा राम पुत्र श्री मला (4) इन्द्र राम पुत्र श्री नन्द लाल (5) भूपीन्द्र सिंह पुत्र शाम सिंह, निवासी बस्ती गुंजा, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सधति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 1161 जून 77 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एस० दहिया
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 16 फरवरी 1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 16 फरवरी 1978

निदेश सं० ए० पी० 1758—यतः मुझ बी० एस०

दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बस्ती दानीशमन्दा जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
486GI/77

1. (1) श्री मोहिन्द्र सिंह पुत्र श्री प्रेम सिंह (2) मंजीत सिंह
3. करमजीत सिंह पुत्र श्री महिन्द्र सिंह, निवासी बस्ती दानीशमन्दा जालन्धर (अन्तरक)

2. (1) श्री गिरधारी लाल पुत्र श्री जगत राम (2) शिव राम पुत्र श्री जलु राम (3) सत पाल पुत्र श्री तारा चन्द (4) माता राम पुत्र श्री रखा राम (5) सुरीन्द्र, कुमार पुत्र श्री भीम सैन, (6) मन्सु भाई पत्नी श्री जगदीश चन्द (7) हरपाल सिंह पुत्र श्री चुनी लाल (8) बलदेव राज पुत्र श्री मूलख राज, निवासी बस्ती नौ, जालन्धर (अन्तरितो)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है),

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-बद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलख नं० 1206 जून-77 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख : 16 फरवरी 1978

मोहर :

रजि. आर्टि. टी. एन. एम.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 10 फरवरी 1978

निदेश सं० ए० पी० 103/बी-II/77-78—यतः मुझे पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जमकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है? तथा जो बादर (मोगा) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भोला सिंह, गुरदयाल कोर, हीरा सिंह, पुवान दल सिंह गांव बादर तहसील मोगा (अन्तरक)

2. श्री बाबू सिंह पुत्र श्री जर्नैल सिंह और हरदेव सिंह, अवनार सिंह पुवान धन्ना सिंह पुत्र भाग सिंह गांव बादर तहसील मोगा (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर न० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना का तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बादर गांव में 105 कनाल जमीन जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1460 जून 1977 सब रजिस्ट्रार मोगा में लिखा है।

पी० एन० मलिक,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिंडा

तारीख: 10-2-78

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 10 फरवरी 1978

निदेश सं० ए० पी० 104/बी० II/77-78—यतः मुझे पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बांदर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

1. श्री भोला सिंह श्रीमती गुरदयाल कौर हीरा सिंह पुत्रान दल सिंह गांव बांदर तहसील मोगा (अन्तरक)

2. श्री बाबू सिंह पुत्र जरनैल सिंह और हरदेव सिंह, अवतार सिंह पुत्र भाग सिंह गांव बांदर तहसील मोगा (अन्तरिती)

3. जसा कि उपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अभिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हवि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाओप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

47 कनाल 6 मरले जमीन बांदर गांव में जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1338 जून 1977 सब रजिस्ट्री मोगा में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 10 फरवरी 1978

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 10 फरवरी 1978

निदेश सं० ए० पी० 105/बी II/77-78—यतः मुझे पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बांदर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती संत कौर पुत्री बीर सिंह पत्नी गुरबचन सिंह द्वारा गुरबचन सिंह मुक्तयारे आम गांव बान्दर पुराना तहसील मोगा (अन्तरक)

2. श्री गुरदेव सिंह, जलौर सिंह, गुरनाम सिंह, करनैल सिंह पुत्रान गुलवंत सिंह और रननोध सिंह, धीर सिंह पुत्रान गुरनैल सिंह गांव बांदर तहसील मोगा (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

87 कनाल 2 मरले जमीन बांदर गांव में जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1449 जून 1977 सब रजिस्ट्रार मोगा में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 10 फरवरी 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 10 फरवरी 1978

निदेश संख्या ए० पी० न० 106/बी II/77-78—यतः मुझे
पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो भौरा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवाँ शहर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

1. श्रीमती चर्णा कौर पुत्री बरियाम सिंह वासी भौरा
तहसील नवाँ शहर (अन्तरक)

2. श्री चर्णा सिंह पुत्र बरियाम सिंह वासी भौरा तहसील
नवाँ शहर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति
जिनके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भौरा गांव में 36 कनाल 10 मरले जमीन जैसा कि रजिस्ट्री
1676 जुलाई 1977 सब रजिस्ट्रार नवाँ शहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 10 फरवरी 1978

मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज भट्टिडा

शर्टिडा, दिनांक 10 फरवरी 1978

निदेश पी० पी० एन० 107/वी II/77-78—यतः मुझे
पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो जडियाला
(नवांशहर) में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवांशहर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई 1977 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दवेन्द्र मोहन, वीर सिंह गोपी पुत्र श्री चर्माजीत सिंह
शाशी गांव जडियाला, तहसील नवांशहर (अन्तरक)

2. श्री देवा सिंह, कुलजदीप सिंह, अजीत सिंह पुरान कावल
सिंह गांव कलेरा तहसील नवांशहर, जिला जलन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर त० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वकटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जडियाला गांव में 32 कनाल जमीन जैसा कि रजिस्ट्री नं०
1975 जुलाई 1977 सब रजिस्ट्रार नवांशहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, शर्टिडा

तारीख: 10 फरवरी 1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० ए०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 10 फरवरी 1978

निदेश सं० ए० पी० 108/बी II/77-78—यतः सूचे पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो रसुलपुर (नवांशहर) में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवांशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाढ़िए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री गुरेन्द्र सिंह, भारतीय मिट्टी पुष्पान भगत सिंह गांव राहो तहसील नवांशहर (अन्तरक)

2. श्री विनोद कुमार पुत्र कृष्ण लाल गांव रसुलपुर तहसील नवांशहर जिला नन्दवार (अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(यह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोदस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रसुलपुर गांव में 27 कनाल 3 मरले जमीन जैसा कि रजिस्ट्री न० 1709 जुलाई 1977 सध रजिस्ट्रार नवांशहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 10 फरवरी 1978

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 10 फरवरी 1978

निदेश सं० ए० पी० न० 109/BTI/77-78—यतः मुझे पी० एन० मलिक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो जंडियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवां शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरबंस सिंह पुत्र लछमन सिंह वासी जंडियाला तहसील नवांशहर (अन्तरक)

2. श्री जगतार सिंह पुत्र केहर सिंह गांव धन्डवाल तहसील फिलौर जिला जलन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जंडियाला गांव में 38 कनाल 10 मरले जमीन जैसा कि रजिस्ट्री नं० 2063 जुलाई 1977 सब-रजिस्ट्रार नवांशहर भटिंडा में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 10 फरवरी 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 फरवरी 1978

निर्देश सं० आर० सी० सी० 234/77-78—यन मुंसे के० एस० वेकट रामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 10-16-23 है, जो काबली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काबली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-7-77 को पूर्वोक्त [सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री नानिगारा मेसुरतनम पति जकरप्पा (2) श्रीमती एन नयीमी पती येसुरतनम (3) जान पीता येसुरतनम-तमाम रहने है 23/71 (अन्तरक)

(2) श्रीमती अनम-कमलम्मा पती अनम शिशिरिडी अलवापा कनदकूर प्रकाशम जिला (अन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर नं० 10-16-23 उदय गीरी रास्ता काबली रजिस्ट्री दस्तवेज नं० 1359/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय काबली

के० एस० वेकट रामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज हैदराबाद

तारीख 14 फरवरी 1978

मोहर :

ਪਾਤ੍ਰ ਆਦਿ० ਟੀ० ਜਨ० ਪੁਸ०--

जा. २२५११ नंवा, १९६१ (१९६१ का ४३) ती प्राप्ता

१६० त्र/१) + ग्रन्थि सङ्घ ।

भारत सरकार

३. आयुः आयुः आयुः (विशेषण),

अर्जन रेज, भोपाल

देवगा, तिमर 13 परवरी 1978

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ज. २५म १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे
'उच्च अधिनियम' कहा गया है), को
घा. २५म १९६१ (१९६१ का ४३) के अधीन
क. २५म १९६१ (१९६१ का ४३) के अधीन
वा. २५म १९६१ (१९६१ का ४३) के अधीन
ग्र. २५म १९६१ (१९६१ का ४३) के अधीन
मे. २५म १९६१ (१९६१ का ४३) के अधीन
रे. २५म १९६१ (१९६१ का ४३) के अधीन
रजि. २५म १९६१ (१९६१ का ४३) के अधीन
तारीख २१-०७-७७

को पदों पर सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम पर दृश्यमान प्रतिकूल का । अन्तर्गत का गड़ + और मुझे पर विश्वास करने का कारण । कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकूल मूल्य से दृश्यमान प्रतिकूल का पन्नाह ५ राजन से अधिक है और ५ (अन्तरगत) और अन्तरगत (अन्तरगतियों) का बीच पर सम्पत्ति का लिए नय तथा गया प्रतिकूल, 'नम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरगत लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी माप का वास्तविक अन्तरण, अन्तरण, कु अन्तरण वर देवे के अन्तरण से अन्तरण से कक्षा करने वा उससे बड़ा मे अन्तरण के अन्तरण, अन्तरण

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आशियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसका अधिनियम या अ-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 37) के प्रयोगार्थ अन्वर्तित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 (1) सैनिक एवं श्री गणेश मूर्ति (2) श्री विद्या
देवी (3) श्री गणेश मूर्ति (4) श्री गणेश मूर्ति (5)
श्री लक्ष्मी (6) श्री गणेश मूर्ति (7) श्री गणेश मूर्ति (8) श्री गणेश मूर्ति
माटी (9) श्री गणेश मूर्ति (10) श्री गणेश मूर्ति

2 श्रीमान्, निम्न वां (१) लुत्ता वां पत्नी श्री
सुरेशचन्द्र, जेन मं निम्नो रत्नाथ गज मुद्रावाडा जिन्ना
जवन्त दुर् (मन्त्रो)

3 (1) रात ११ बजे की ओर - रात (बहु संक्रान्ति
जिनसे प्रतिभात से सम्बन्धित है)

को यह सूचना जारी करके श्रद्धा समान के अर्जन के लिए कायदा बना करनी ।

उक्त मन्त्रि - अर्जुन ने सबध न करी सो पक्षेप :-

(क) इस सूचना के ग्राहकों में प्रकाशन दो ताराख से 45 दिन की अवधि में सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तब तक 30 दिन की अवधि में प्रकाशित करने में अवधि बाद में प्रकाशित करने के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में प्रकाशित व्यक्तियों में प्रकाशित करने के लिए,

(ख) इस तथ्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उस स्थावर सम्पत्ति में द्विगुणित किया गया व्यय द्वारा, अयोहस्ताक्षरी के पास निम्नलिखित में क्रिये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अत्रि नियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा' का उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुनिस्पल नम्बर 174 और 159 (भाग) पर स्थित सुभास
वार्ड मडवाडा जिला जबलपुर।

रा० कु० वाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख 18 फरवरी 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महासह सहायक आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 फरवरी 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० ए०/भोपाल/77-78/933—

अतः मुझे रा० कु० वाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'इस अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन राज्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है तथा जो मुडवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, मुडवाड़ा में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-6-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल गिना लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में कोई किसी आय का बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक दायित्व में कमा करने या अपने बचत में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

1. (1) सैफुद्दीन पुत्र श्री ताहिर अली (2) श्री किश हसन (3) श्री फकरुद्दीन अली (4) श्री जुब्बार हुसैन (5) तसदुक् हुसैन पुत्र श्री मुसुऊअली सभी निवासी भीमगंज मंडो, कोटा (अन्तरक)

2. (1) ज्योतिपत्नी श्री सुभाषचन्द्र (2) श्रीमती शाशेवाई पाले श्री प्रकाशचन्द्र (3) श्रीमती चमेली वाई पत्नी श्री कैलाशचन्द्र जैन सभी निवासी रघुनाथ गंज मुखाडा (अन्तरिती)

3. श्री रामप्रकाश व झूल चन्द्र (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुनिसिपल नं० 175 व 159 (भाग) विप्ररिण नं० 493, स्थित सुभाष वाई, मुडवाड़ा, जिला जयलपुर।

रा० कु० वाली
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख 18-2-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 फरवरी 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/77-78/934--
रा० कु० वाली,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269B
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है
और जिनकी स० मकान (भाग) है तथा जो मुडवाड़ा में स्थित है
(और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुडवाड़ा में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-6-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निम्न में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269B के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. सैफुद्दीन पुत्र श्री ताहिर अली (2) फिदाहुसैन (3)
श्री फकरुद्दीन अली (5) श्री जम्बर हुसैन (5) श्री तसदुक हुसैन
पुत्र श्री युसुफ अली सभी निवासी भीमगंज मंडी, कोटा (अन्तरक)

2. श्री नानक राम पुत्र श्री हिरदोमल सिन्धी निवासी रावर्ट
लाइन, कटनी केम्प, कटनी तह० मुडवाड़ा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मुनिसिपल नं० 171 व 159 (भाग) स्थित सुभाष
वाडें, मुडवाड़ा तह०, जवलपुर।

रा० कु० वाली
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 18 फरवरी 1978
गोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 फरवरी 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० ए०/भोपाल/77-78/935—

अतः मुझे, रा० कु० वाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) ई, तथा जो मुडवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुडवाड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सँफुद्दीन पुत्र श्री ताहिरअली (2) श्री फिदाहुसैन (3) श्री फकरुद्दीन अली (4) श्री जुम्हार हुसैन (5) श्री तसदुक हुसैन पुत्र श्री मुमुफ अली सभी निवासी भीमगंज मंडी, कोटा (अन्तरक)

2. श्री परमानन्द पुत्र श्री मंगाराम सिधी निवासी गुरुनानक बाई, मुडवाड़ा, जिला जबलपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्युनिसिपल नं० 168 व 159 (भाग) चैरिंग नं० 493 स्थित सुभाष बाई, मुडवाड़ा जिला जबलपुर।

रा० कु० वाली,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 18 फरवरी 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 फरवरी 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्यु/भोपाल/77-78/936—

अतः मुझे रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो मुडवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुडवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री सैफुद्दीन मुनिराबादी (1) निवा. हुसैन (3) फकरुद्दीन अली (4) जवाहर (5) दासदुल हुसैन समी पुत्र श्री सुसूफ अजी तभा निवा. भीम गंज मण्डी कोटा (राजस्थान) (अन्तरक)

2. श्री बन्नी प्रसाद श्री मोदी प्रताप चौरसिया नदी बस्ती मुडवाड़ा जिला जबलपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त वसति के अर्जन के लिए कार्यवाह्या करवा दूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या न्यूनतम अवधि पर सूचना की तारीख से 20 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये हैं।

अनुसूचा

म्युनिसिपल नम्बर 162 और 159 (भाग) वैरिंग नम्बर 493 स्थित सुभाष वार्ड मुडवाड़ा जिला जबलपुर।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, भोपाल

तारीख : 18 फरवरी 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 फरवरी 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/77-78/937—

अतः मुझे रा० कु० वाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे एष्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो मुडवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुडवाड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-6-1677 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उभय बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अन्तरितियों अर्थात् :—

1. श्री सैकुद्दीन पुत्र श्री ताहिर अली (2) श्री फिदा हुसैन (3) फरूद्दीन अली (4) जुब्बरहुसैन (5) तास्दुक हुसैन पुत्र श्री सुयूफ अली सभी निवासी भीम गंज मण्डी कोटा राजस्थान ।
(अन्तरक)

2. श्री प्रेम मुख दाश नन्दलाल द्वारा पार्टनर श्री नरसिंह दास वजाज स्थान मेनरोड कटनी तहसील मुडवाड़ा जिला जबलपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्युनिस्पल नम्बर 172 और 159 (भाग) वैरिंग नम्बर 493 स्थित सुभाष वार्ड मुडवाड़ा तहसील मुडवाड़ा जिला जबलपुर।

रा० कु० वाली,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 18 फरवरी 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 फरवरी 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/77-78/938—

यतः मुझे रा० कु० बाली,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है
और जिसकी सं० सफा (भाग) है तथा जो मुडवाड़ा में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुडवाड़ा में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 2-6-
1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकटित :—

(1) श्री सफुद्दीन पुत्र श्री ताहिरअली (2) श्री फिदाहुसैन
(3) श्री फकरुद्दीन अली (4) श्री जुब्बर हुसैन (5) तस्दुक
हुसैन पुत्र श्री यूसुफअली सभी निवासी भीम मंडी, कोटा गंज
(अन्तरक)

2. श्री कृपाराम पुत्र श्री लाला सीता राम मेना निवासी
स्टेशन रोड, मुडवाड़ा, जिला जबलपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्युनिस्पल नं० 166 व 159 (भाग) बरिंग नं० 483,
स्थित सुभाष वार्ड मुडवाड़ा जिला जबलपुर।

रा० कु० बाली,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल.

तारीख : 18 फरवरी 1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 फरवरी 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्यू/भोपाल/77-78/939—

अतः मुझे रा० कु० वाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो मुडवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुडवाड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2 जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधिन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—486GI/77

1. श्री सैफुद्दीन पुत्र श्री ताहिर अली (2) फिदा हुसैन (3) फकरुद्दीन अली (4) जुब्बर हुसैन (5) तास्दुक हुसैन पुत्र श्री प्रसूफ अली स्थान भीमगंज मण्डी कोटा (राजस्थान)
(अन्तरक)

2. श्री प्रकाशचन्द उर्फ श्रीचन्द पुत्र श्री सखाराम मलसिन्धी शंकर लाज पुत्र श्री गोधूमल वाली मानवारी वाई (माता जी) सभी निवासी कटनी कम्प कटनी महणोल मुडवाड़ा जिला जबलपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्युनिस्पल नम्बर 167 और 159 (भाग वैरिंग) नवम्बर 493 स्थित सुभाष बाई मुडवाड़ा जिला जबलपुर।

रा० कु० वाली,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 18 फरवरी 1978

मोहरः

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज-II

अहमदाबाद दिनांक 14 फरवरी 1978

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I 1409 (634)/16-6/77-78—यतः मुझे एस० सी० परीख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 421, 421/1, प्लॉट नं०-13, है, जो रामकृष्ण शेरी नं० 1, राजकोट, स्थित है (और इससे उपावख अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-6-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कस्तूरबन विधवा त्रिभुवनदास डाह्याभाई, की ओर से मावर ओफ एटारनी होल्डर श्री चंद्रकांत त्रिभुवनदास पंचसरा, गोंडल रोड, राजकोट (अन्तरक)

(2) श्री महेन्द्रकुमार उर्फ, श्री कनूभाई कल्याणजी वसंत ट्रांसपोर्ट वाला, रामकृष्ण नगर, शेरी नं०, (प्लॉट-13) राजकोट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 226-1 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 421 तथा 421/1, प्लॉट नं० 13, है तथा जो रामकृष्ण शेरी नं०-1, राजकोट में स्थित है। जिसका दस्तावेज नं० 2645 में दिया गया है।

ए० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज अहमदाबाद

तारीख 14 फरवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 फरवरी 1978

निदेश सं० जे० डी० आर०/21/77-78—अतः मुझे रवीन्द्र

कुमार पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक है

और जिसकी सं० फैक्टरी नं० ई० 33 है तथा जो यमुना नगर में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 (i) श्री राम किशन पुत्र श्री कूलवंत राय निवासी कैथल

() श्री इशर दास पुत्र श्री देसराज निवासी यमुना नगर

(iii) श्री लच्छमन दास पुत्र श्री नानुमल निवासी नरवाना।

(iv) श्री तिलक चन्द पुत्र श्री राम किशन दास बजरीया श्री राम किशन दास पुत्र श्री कूलवंत राय मार्फत तिलक सनोकेट बर्कस, यमुना नगर (अन्तरक)

2 (i) श्री चुनी लाल पुत्र गुरदित

(ii) श्री सतीश चन्द पुत्र श्री चुनीलाल

(iii) श्री रोहतस कुमार पुत्र श्री बिहारी लाल

(iv) श्री प्रेम नाथ पुत्र श्री जयोती प्रकाश

(v) श्री जनार्दन दास पुत्र श्री राम प्रसाद

(vi) श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री राम गोपाल मार्फत मिलाप सिलीकेट फैक्ट्री, ई-33, इन्डस्ट्रीयल एरीया, यमुना नगर (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

फैक्ट्री नं० ई 33 जो के इन्डस्ट्रीयल एरीया, यमुना नगर में स्थित है।

सम्पत्ति जैसे के रजिस्ट्रेशन डीड नं० 1321 तारीख 27-6-1977 में दी गई है और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में 30-6-1977 को लिखी गई।

रवीन्द्र कुमार पठानिया,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 14 फरवरी 1978

मोहर :

प्रूप भाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज सोनीपत रोड

रोहतक, दिनांक 11 फरवरी 1978

निदेश सं० सी० एच० डी०/43/77-78— अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पटानिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सी० अ० न० 4, सेक्टर 17, बी०-1 है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, उसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसा अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से न्यति नही किया गया है :—

(क) अन्तरण सहित किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में विधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्री महेश चन्द बरग, नारेश चन्द बतरा पुत्र श्री बी० एल० बरगानवासी 83 सेक्टर 18, चन्डीगढ़ (अन्तरक)

2 (i) श्री नाथ बासी पुत्र श्री चरन सिंह बासी (ii) श्री मोहन सिंह बासी उर्फ मिलखा सिंह बासी

(iii) श्री काबल सिंह बासी उर्फ श्री केहर सिंह बासी

(iv) श्री जे० नरकेश सिंह बासी पुत्र श्री मोहिन्द्र सिंह बासी उर्फ मिलखा सिंह बासी

(v) श्री गुलराज सिंह बासी पुत्र श्री मोहिन्द्र सिंह बासी उर्फ मिलखा सिंह बासी

(vi) श्री पालपिन्द्र सिंह बासी

(vii) श्री राउबिन्द्र सिंह बासी पुत्र श्री काबल सिंह बासी उर्फ केहर सिंह बासी सबी निवासी गांव व डाकखाना बीर बासीया तहिले फलौए जिला जलन्धर (अन्तरिती)

3 (i) श्री तरसेम चन्द मै फैशनियर

(ii) श्री कुलदेव राज राज हंस फोटो सेटर

(iii) श्री अजमेर सिंह टेलर

(iv) मै पलैन्स ग्रुप

(v) हरीयाना खेती विभाग एम० सी० डी० न० 4 सेक्टर 17, बी-4 चन्डीगढ़ (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चार मन्जला एस० सी० डी० न० 4 सेक्टर 17, बी-4, चन्डीगढ़।

"सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रेशन न० 466 तारीख 27-7-1977 है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में 27-7-1977 को लिखी गई"

रवीन्द्र कुमार पटानिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज रोहतक

तारीख 14 फरवरी 1977

मोहरः

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोहतक रोड

रोहतक, दिनांक 14 फरवरी 1978

निदेश सं० के० एल० के०/2/77-78—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संप्लाट नं० 5 है तथा जो पन्चकुला में स्थित है (और इससे उपायवद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कालका में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री महिन्द्र सिंह, पुत्र श्री जोगिन्द्र सिंह निवासी चक मण्ड बाला तहि० मुक्तसर, (फरीदकोट) । (अन्तरक)

2 मेजर रणजीत सिंह पुत्र श्री साधू सिंह 4 बटालीयन 5 गोरखा राइफल (एफ० एफ०) मारफत 56 ए० पी० ओ० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० 5 जिसका क्षेत्रफल 1000 वर्ग गज है और पन्चकुला में स्थित है ।

"सम्पत्ति जैसे के रजिस्ट्रेशन नं० 442 में दी है और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कालका के कार्यालय में 9-9-1977 को दर्ज की गई" ।

रवीन्द्र कुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 14 फरवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना

पटना, दिनांक 15 फरवरी 1978

निर्देश III सं० 248/अर्जन/77-78—अतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० हा० नं० 8 बाईं नं० 4 गज है, तथा जो कठोकर तलाब, गया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1: श्री शिव प्रसाद, वत्स श्री प्रभूचन्द, अनुप कुमार लाल, मनोज कुमार लाल, नवीन कुमार लाल जो सभी पुत्र श्री शिव-प्रसाद श्रीमती गौरी देवी जो पत्नी श्री प्रभू चन्द के राजेन्द्र प्रसाद अर्जुन प्रसाद जो पुत्र श्री कन्हैया लाल के, सा० भा० भुरादपुर, पो० गया, जिला गया (बिहार) अन्तरक

2. (1) श्रीमती विन्दु देवी पत्नी श्री सरयुप्रसाद 2. श्रीमती रमोला देवी पत्नी श्री आदित्य प्रसाद, जो मुदर पुर गया के हैं द्वारा मेसर्स नवहक्कूराम तुलसी प्रसाद, प्लाजा मार्केट जी० बी० रोड, गया (अन्तरिती)

3 श्री कन्हैया प्रसाद पोद्दार, पोद्दारा ट्रान्सपोर्ट, गया।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में मालीक है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्वि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रकबा जमीन—एक तीन तल्ला, पक्का मकान जो कठोकर तलाब गया में स्थित है, जिसका हो० नं० 8, बाईं नं० 4, जो गया का है। जिसका दस्तवेज सं० 6405 दिनांक जून 1977 में वर्णित है।

ज्योतीन्द्र नाथ

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

तारीख : 15 फरवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 फरवरी 1978

निर्देश सं० ए० एस० आर०/52/77-78/—यतः मुझे, एस० के० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा नं० 1792 मिन 1794 मिन नया खसरा नं० 87/29 मिन है तथा जो, सराय रोड में स्थित है (और, इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तहसील अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स चानना फाइनेन्सियर्स एवं चिट फंड, प्राइवेट लिमिटेड अकाली मार्केट अमृतसर द्वारा श्री कुलवन्त सिंह पुत्र श्री निहाल सिंह (2) श्री हरी सिंह पुत्र श्री लघा सिंह (3) श्री

गुरचरन सिंह पुत्र श्री गुरबक्स सिंह (4) श्री राम मूर्ति पुत्र श्री मनीराम (सभी चिट फंड फर्म के निदेशक हैं) (अन्तरक)

2. (1) श्री राजिन्दर मोहन पुत्र श्री लाला देसराज (2) श्री देशराज पुत्र श्री बाबूमल (3) श्री गोवर्धन दास पुत्र श्री मोतीराम (4) श्री सुरजीत राय पुत्र श्री मोतीराम (5) श्री प्रेम चन्द पुत्र श्री मोतीराम (6) श्री गुरचरनजीत पुत्र बाघमल (7) श्रीमती रमेश रानी पत्नी श्री अमीरचन्द (8) श्रीमती चांदरानी पत्नी फकीर चन्द, द्वारा ज्ञानचन्द धवन एवं कम्पनी कमीशन एजेंट्स जंडीआला गुरु, तहसील अमृतसर (अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो गोवाम, एक कार्यालय क्षेत्र, एवं खुला रिक्त 2583 वर्ग गज भूमि के साथ जंडीआला गुरु जो सराय रोड पर स्थित है, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 1650 जून 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, तहसील—अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 4-2-78
मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 10th January 1978

No. A.12025/1/77-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri J. K. Khanna, S.S.O. II of the Armament Research and Development Establishment, Ministry of Defence, Pune-411 001 to the temporary post of Senior Programmer in the office of Union Public Service Commission with effect from the forenoon of the 6-1-1978, until further orders.

The 21st January 1978

No. A.12019/2/78-Admn.II.—Shri Chand Kiran, a permanent Research Assistant (Hindi) of this office is hereby appointed to officiate on an *ad hoc* basis as Junior Research Officer (Hindi) for the period from 16-1-1978 to 28-2-78, or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secretary,
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 21st January 1978

No. A.32014/1/78-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Hukum Chand, permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Senior Personal Assistant (Grade

B of CSSS) in the same cadre, on purely temporary and *ad hoc* basis for a period of 46 days with effect from 5-1-1978 or until further orders, whichever is earlier.

Shri Hukum Chand should note that his appointment as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) is purely temporary and on *ad hoc* basis and will not confer any title for absorption in Grade B of CSSS or seniority in that Grade.

No. A. 32013/1/77-Admn. I.—The President is pleased to appoint the following permanent officers of the Section Officer's Grade of the CSS Cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade-I of the Service for the periods shown against each or until further orders, whichever is earlier.

S. No.	Name	Period
	S/Shri	
1.	Vir Singh Riat	3-1-1978 to 18-2-1978
2.	R. R. Ahir	1-1-1978 to 18-2-1978
3.	Pritam Lal	12-11-1977 to 8-12-1977

The 23rd January 1978

No. A.32013/3/76-Admn.I.—In continuation of this office Notification of even number dated 20-12-1977, the President has been pleased to appoint Shri R. S. Ahluwalia, a permanent Grade I Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission, as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on *ad hoc* basis for the period 30-12-1977 to 31-1-1978 or until further orders whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE
Under Secy.

New Delhi-110011, the 18th February, 1978

CORRIGENDUM

No. F. 14/3/77-E, I(B)—In the Union Public Service Commission's Notice of even number relating to the Combined Examination (1978) for recruitment to Medical Posts in the Railways and Ordnance Factories Health Service, published in the Gazette of India, Part III, Section I, dated 29th October, 1977, the following amendments shall be made :—

Reference	For	Read
NOTICE		
Page 1, col. 1, para 1, lines 2 and 3.	14th March, 1978	27th May, 1978
Page 1, col. 1, para 2.	Ahmedabad... Trivandrum	Ahmedabad, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati) Hyderabad, Jaipur, Jammu, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patiala, Patna, Shillong, Simla, Srinagar, and Trivandrum.
Page 1, col. 1, 2nd sub-para of para 3(b), line. 1.	40 years	50 years
Page 2, col. 1, para 3(c), last line.	19th December, 1977	6th March, 1978
Page 2, col. 2, para 6, items (i) and (ii)	19th December, 1977 and 2nd January, 1978	6th March, 1978 and 20th March, 1978.
Page 3, col. 1, para 7(A) (iii), line 5.	19th December, 1977	6th March, 1978
Page 4, col. 2, para 13.	SCHEME OF EXAMINATION	
	The examination will comprise (1) a written examination in one paper of three hours duration containing objective type questions covering the subjects (i) Surgery including E.N.T., Ophthalmology, Traumatology and Orthopaedics; (ii) General Medicine including Paediatrics; (iii) Preventive Medicine and Community Health including child welfare and Family Planning and (iv) Obstetrics and	
	SCHEME OF EXAMINATION—	
	The examination will comprise :—	
	(A) Written Examination—	
	The candidates will have the option to take the examination in any one of the following four papers which will be of 3 hours duration and contain objective type questions.	
	(i) Surgery including E.N.T., Ophthalmology, Traumatology and Orthopaedics;	

Reference	for	Read
	Gynaecology; and (2) a Personality Test carrying equal marks, of candidates who qualify in the written examination.	(ii) General Medicine including Paediatrics; (iii) Preventive Medicine and Community Health including child welfare and Family planning; (iv) Obstetrics and Gynaecology. (B) Personality Test of candidates who qualify in the written examination. N.B.—The Written Examination and Personality Test will carry equal marks.

B.S. JOLLY,
Under Secy.

ENFORCEMENT DIRECTORATE
(FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT)

New Delhi, the 2nd February 1978

No. A-11/2/78.—Shri M. L. Acharya, Asstt. Enforcement Officer, Enforcement Directorate, Calcutta is appointed to officiate as Enforcement Officer in Ahmedabad sub-zonal office of this Directorate with effect from 23-1-78 and until further orders.

J. N. ARORA
Deputy Director (Admn.)

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
RAJASTHAN

Jaipur, the 7th February 1978

No. Admn.II/G-G-Notification.—Accountant General, Rajasthan, Jaipur is pleased to appoint Shri Manohar Lal Goyal, Section Officer of this office as officiating Accounts Officer until further orders with effect from 31-1-1978 (F.N.).

R. A. BORKAR
Sr. Dy. Accountant General/Admn.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R.)

New Delhi, the 8th February 1978

No. A-31014/1/77-Ad.I.—In exercise of the powers conferred by Rule 9(2) of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, Director, Central Bureau of Investigation & I.P.G., SPE, hereby appoints Shri Y. S. Dikshitulu substantively as Deputy Superintendent (FP), CFPB in CBI w.e.f. 1-1-1978.

F. No. A-19036/6/78-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri A. Aswatharamaiah, Inspector of Police, Central Bureau of Investigation, Bangalore Branch and an officer of Karnataka State Police to officiate as Deputy Supdt. of Police in Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 21-1-78 in a temporary capacity until further orders.

A. K. HUI
Administrative Officer (E)
C.B.I.

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
(CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE)

New Delhi-24, the 8th February 1978

No. E-38013(3)/22/77-Pers.—On transfer from Thumba Shri P. K. P. Nair relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit ISRO Thumba with effect from the afternoon of 7th January, 1978 and assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit Madras Fertilizers Ltd., Manali with effect from the forenoon of 18th January 1978.

No. 38013(1)/1/78-Pers.—On posting as Deputy Inspector General (Provisioning & Accounts) CISF Hqs., New Delhi Shri Hans Raj Swan IPS Har-1957) assumed the charge of the said post with effect from the forenoon of 27th January, 1978.

L. S. BISHT
Inspector GENERAL /CISF

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, M. P.
Gwalior, the 7th February 1978

No. Admn.I/528.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to accord proforma promotion to Shri S. D. Sharma (02/0223) Section Officer, as Accounts Officer in the officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 w.e.f. 6-10-77 forenoon, i.e. the date from which his next junior Shri G. T. Mithe Section Officer has been promoted as Accounts Officer in this office.

KRISHNA GOPAL
Senior Deputy Accountant General
(Administration)

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR, WESTERN
RAILWAY, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1978

No. SA/HQ/Admn./IX/6/Vol.IV/7284.—Shri J. P. Arora, permanent Section Officer of this office has been promoted to officiate as an Audit Officer in the scale of Rs. 840—1200 with effect from 31-1-1978 (A.N.) and is posted as Audit Officer (Construction), Viramgaum-Okha Project, Western Railway, Rajkot from the same date.

A. N. BISWAS
Chief Auditor

MINISTRY OF DEFENCE
D.G.O.F. HQRS., CIVIL SERVICE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-700069, the 24th January 1978

No. 3/78/A/E-1.—On attaining the age of superannuation, Shri M. L. Ganguly, Offg. ASO/Subst. & Permt. Asstt. retired from service with effect from 30-11-1977 (A.N.).

The 31st January -1978

No. 4/78/A/E-1.—On attaining the age of superannuation, Shri Santi Kumar Banerjee, Subst. & Permt. ASO retired from service with effect from 31-1-78 (A.N.).

D. P. CHAKRAVARTI
ORG/Admn.II
for Director General, Ordnance Fys.

DEPARTMENT OF SUPPLY

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(Admn./Sec. A-6)

New Delhi, the 13th February 1978

No. A6/247/(288)/77.—Shri Joginder Lall a permanent Assistant Inspecting Officer (E) and officiating as Asstt. Director of Inspecting (E) Grade III of IAS Class I Engg. Branch) in the Hdqrs. office, DGS&D, New Delhi retired from Government service w.e.f. the afternoon of 31st January, 1978 on attaining the age of superannuation i.e. 58 years.

SURYA PRAKASH,
Dy. Director (Admn.)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 5th February 1978

No. 1060/B/14/76/19A.—Shri D. K. Roy Chowdhury, Assistant Cost Accounts Officer, Geological Survey of India has been released from the service in the Geological Survey of India with effect from the afternoon of the 31st December, 1977 for joining the Jessop and Co. Ltd.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 13th February 1978

No. A-19012(99)/77-Estt. A.—Shri Shyamji Singh Permanent Senior Technical Assistant (O.D.) is promoted to officiate as Assistant Chemist in the Indian Bureau of Mines on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 2nd January, 1978 until further orders.

L. C. RANDHIR
Head of Office
Indian Bureau of Mines

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

PUBLICATIONS DIVISION

New Delhi, the 8th February 1978

No. A-12026/2/78-Admn. I.—Director, Publications Division is pleased to appoint Shri S. C. Jain, a temporary Business Executive to officiate on *ad hoc* basis as Assistant Business Manager in this Division *vice* Shri L. R. Batra, Assistant Business Manager granted leave for a period of 48 days from 30-1-1978 to 18-3-1978.

2. This *ad hoc* appointment will not bestow on Shri S. C. Jain a claim for regular appointment in the grade of Asstt. Business Manager. This service will also not count for the purpose of seniority in the grade.

INDRAJ SINGH
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 7th January 1978

No. A. 19019/32/77-CGHS. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Smt.) Sarita Devi to the post of Ayurvedic Physician in the Central Govt. Health Scheme at Meerut on temporary basis with effect from the forenoon of 5th January, 1978.

The 25th January 1978

No. A. 19019/40/77-CGHS. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Kusum Dutta to the post of Homoeopathic physician in the Central

Govt. Health Scheme at Allahabad on temporary basis with effect from the afternoon of 2nd January, 1978.

N. S. BHATIA
Deputy Director Administration
CGHS.

New Delhi, the 13th February 1978

No. A. 32014/9/77(HQ)Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri A. K. Shrivastav to the post of Technical Officer (Prevention of Food Adulteration) in the Directorate General of Health Services with effect from the forenoon of 24th December, 1977 in a temporary capacity until further orders.

S. L. KUTHIALA
Dy. Director Administration

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION
(NARORA ATOMIC POWER PROJECT)

Bombay-5, the 17th January 1978

No. NAPP/18/41/76-Adm./Vol. II.—Director, Power Projects Engineering Division hereby appoints Shri M. H. Joshi, a temporary Draughtsman 'C' in Narora Atomic Power Project, as Scientific Officer Engineer Grade 'SB' in the same Project in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1977 until further orders.

B. V. THATTE
Administrative Officer
for Director

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 13th February 1978

Ref. HWPs/Estt./1/B-12/777.—Officer-in-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Puransingh Kartarsingh Bheda, a temporary Assistant Security Officer of Heavy Water Project (Baroda) to officiate as Security Officer in the same project in a temporary capacity on an *ad hoc* basis from August 9, 1977 (FN) to September 14, 1977 (AN) *vice* Shri P. B. Bakshi, Security Officer, granted leave.

K. SANKARANARAYANAN
Senior Administrative Officer

CIVIL ENGINEERING GROUP

Kalpakam-603 102, the 27th January 1978

No. CEG/3(690)/72-Adm.—Consequent on the acceptance of the resignation Shri B. R. Nagaraj, a temporary Scientific Officer/Engineer SB, Civil Engineering Group of this Department, relinquished charge of his post in the grade SB on the afternoon of December 24, 1977.

V. S. VENKATESWARAN
Administrative & Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE

INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION

SHAR CENTRE

Sriharikota-524 124, 16th December 1977

No. SCF : P&GA : ESTT : 1/72.—The Director is pleased to accept the resignation from Service of Shri B. Sugumar, Temporary Engineer SB of the SHAR Centre, Sriharikota of the Department of Space with effect from the afternoon of the 5th September, 1977.

R. GOPALARATNAM
Head, Personnel & General Administration
for Director

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 10th February 1978

No. E(1)03948.—Shri R. Y. Dabir, Officiating Assistant Meteorologist, Office of the Dy. Director General of Observatories (Climatology), Pune, India Meteorological Department was granted earned leave for 106 days with effect from 17-9-1977 preparatory to retirement. On expiry of the leave he retired from the Govt. service on the afternoon of 31-12-1977.

G. R. GUPTA
Meteorologist

for Director General of Observatories

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 7th February 1978

No. 1/449/77-EST.—Shri Samaullah, was appointed as Assistant Engineer in a temporary capacity in Arvi Branch, with effect from the afternoon of 4th November, 1977. His resignation from service, has been accepted with effect from the afternoon of 30th November, 1977.

P. G. DAMLE
Director General

Bombay, the 6th February 1978

No. 1/188/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri N. V. Padmanabhan, Supdt., Headquarters Office, Bombay as Assistant Administrative Officer, in an officiating capacity in the Calcutta Branch, on *ad-hoc* basis, for the period from 19-12-77 to 24-1-78 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

No. 1/407/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. K. Saha, Senior Foreman, Calcutta Branch as Chief Mechanician in an officiating capacity in the same Branch on *ad-hoc* basis for the period from 9-12-77 to 13-1-78 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY
Administrative Officer
for Director General

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Kanpur, the 4th February 1978

No. 2/78.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' vide Collectorate, Central Excise, Kanpur/Allahabad Estt. order No. 52/77 dated March 11-77 issued under endt. C. No. II(3)93-Et/77/6838 dated 11-3-77 and transfer vide this office Estt. order No. 1/A/203/77 dated 24-6-77, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB —35—880—40—1000—EB —40—1200, Shri Sohan Kampani, Inspector (SG) took over the charge of Superintendent, Central Excise, Group 'B' Kanpur-I in the forenoon of 8-7-77.

K. P. ANAND
Collector

ADMISSION TO THE TRAINING SHIP RAJENDRA AND
THE DIRECTORATE OF MARINE ENGINEERING
TRAINING CALCUTTA/BOMBAY FOR THE
ACADEMIC YEAR—1978

Bombay-2, the 10th February 1978

No. 7FC(1)/77.—A Combined Written Qualifying Examination will be held on 25th and 26th May 1978, for admission to the Navigation (One Year) and Marine Engineering

(4 years) course in the above mentioned institutions at the following centres subject to sufficient number of candidates being available at each centre :—

EXAMINATION CENTRES

1. Ahmedabad, 2. Bangalore, 3. Bhopal, 4. Bombay, 5. Calcutta, 6. Chandigarh, 7. Cuttack, 8. Delhi, 9. Ernakulam, 10. Gauhati, 11. Hyderabad, 12. Jaipur, 13. Lucknow, 14. Madras, 15. Nagpur, 16. Patna, 17. Srinagar, 18. Port Blair, 19. Trivandrum, 20. Visakhapatnam.

Subjects for the examination will be (1) English (One Paper) 3 hours—100 marks, (2) Mathematics (One Paper) 3 hours—100 marks, (3) Physics (One Paper) 3 hours—100 marks, (4) Chemistry (One Paper) 1½ hours—50 marks, and (5) General Knowledge (One Paper) 1½ hours—50 marks. On the basis of the result of the entrance examination, candidates will be called for a medical examination and an interview before the Selection Board at Calcutta/Bombay. The candidates will have to bear the travelling expenses and to arrange for the boarding and lodging at the centres of the examination and interview.

Fifteen per cent of the seats are reserved for candidates belonging to Scheduled Caste and Five per cent for Scheduled Tribes for admission to T.S. Rajendra and Marine Engineering Training provided suitable candidates are available.

QUALIFICATION FOR ADMISSION

(A) Candidate must have passed any one of the following examinations :

- The Intermediate Science Examination conducted by a recognised Board of Education/University with Mathematics, Physics and Chemistry as separate subjects.
- Any other equivalent course i.e. 10+2 with Mathematics, Physics and Chemistry as separate subjects approved by the Ministry of Education, Govt. of India.
- Where the 3 years Degree Course can be taken up after 10+1 the first year of the Degree course with Mathematics, Physics and Chemistry as separate subjects.
- First year examination of a 5 year integrated Technological/Engineering Degree Course after Higher Secondary Examination (10+1) conducted by I.I.T.s./Universities.

NOTE :—10+2 means a candidate must have studied for a period of 2 years and the course completed/passed the final year examination after obtaining S.S.L.C./S.S.C./Matriculation or its equivalent certificate.

(B) Candidates who have the minimum educational qualification as stated in para (A) above and who have appeared or intend to appear at the examination for a Degree in Science are also eligible to apply for admission.

AGE LIMIT

Candidates who have the minimum educational qualification, as stated in para (A) and (B) above must be within the age limit of 20 years on the 1st September of the year of entry i.e. must have been born on or after 1st September 1958. For the Scheduled Caste and Scheduled Tribe candidates the age limit will be higher by one year.

APPLICATION FORM

There is only one application form for T.S. Rajendra/D.M.E.T. course. Application form can be had on payment of Re.1/- by Crossed Indian Postal Order drawn in favour of Director General of Shipping, Bombay and payable at G.P.O. Bombay.

Application forms are available from the Executive Officer (Training), Directorate General of Shipping, Jahaz Bhavan, Walchand Hirachand Marg, Bombay-400 038, on submitting an application in writing enclosing Crossed Indian Postal Order of the value of Re. 1/- and a self-addressed envelope of 23 cms. by 10 cms. with 40 paise postal stamps. Complete postal address in Capital Letters should be given both in the application and the self-addressed envelope. Cover containing the

application for supply of application form should bear the words "REQUEST FOR RAJENDRA/DMET APPLICATION FORM" on the top left hand corner of the envelope.

PROSPECTUS

Prospectus containing full particulars of the two courses and details of fees, scholarships, etc. is obtainable on payment of Rs. 4/- by Separate Crossed Indian Postal Order drawn in favour of the Director General of Shipping, Bombay and payable at G.P.O. Bombay. Separate application addressed to Executive Officer (Training) in the Directorate General of Shipping, Jahaz Bhavan, Walchand Hirachand Marg, Bombay-400 038, should be made for supply of Prospectus with complete postal address in Capital Letters. Cover containing the application for supply of Prospectus should bear the words "REQUEST FOR PROSPECTUS" on the top left hand corner.

CLOSING DATE

Applications in the prescribed form complete in all respects from *unmarried male candidates* should reach the Executive Officer (Training) Directorate General of Shipping, Jahaz Bhavan, Walchand Hirachand Marg, Bombay-400 038, on or before the 31st March 1978. Applications received after the due date will not be considered. Supply of blank application form by post will be closed on 24th March 1978.

O. P. MALHOTRA
Executive Officer
Directorate General of Shipping

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR-GENERAL (WORKS)

New Delhi, the 14th February, 1978

No. 23/2/77-EC. II.—The following Officers of Central Public Works Department on attaining the age of superannuation (58 years) have retired from Government service with effect from 31-1-1978 A. M.

Name and Designation	Office
1. Shri P. S. Mahal, Executive Engineer.	Executive Engineer (LF), C. P. W. D., New Delhi.
2. Shri M. G. Manshramani, Executive Engineer.	S. W. III, P. W. D. (Delhi Admn.) New Delhi.
3. Shri M. C. Mehra, Executive Engineer.	P. W. D. Division XIV (Delhi Admn.) New Delhi.

S.S. RAU
Deputy Director of Admn.
for Director-General (Works)

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY OFFICE OF THE GENERAL MANAGER (P)

Gauhati-781011, the 6th February 1978

No. E/55/III/91 P. III(O).—Shri R. K. Dutt who was appointed as Assistant Officer on probation in T(T) & C Department of Superior Revenue Establishment is confirmed in the Junior Scale with effect from 20-12-1976.

No. E/55/III/94 Pt. III(O).—Shri P. N. Doraiswamy who was appointed as a Probationer in the Civil Engineering Department of the superior Revenue Establishment of Indian Railways is confirmed in the Junior Scale with effect from 20-1-78.

M. R. N. MOORTHY
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPTT. OF COMPANY AFFAIRS) OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Indore Bottling Company Limited.

Gwalior, the 9 February 1978

No. 1252/A/77-78/826.—Notice is, hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Indore Bottling Company Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the REGISTER and the said company will be dissolved.

J. R. BOHRA
Registrar of Companies
Madhya Pradesh, Gwalior

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Sri Renuka Films Private Limited.

Madras-6, the 7th February 1978

CORRIGENDUM

No. 2358/560(5)/77.—Please read as "that the name of M/s. Sri Renuka Films Private Limited" after the words "Companies Act, 1956" appearing in the Notification No. 2358/560(5)/77, dated 25-10-77 published in the Gazette of India, Part III Section I dated 19-11-77 at page No. 5268.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Southern Polyplastic Private Limited.

Madras-5, the 10th February 1978

No. DN/6284/560(3)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 () of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Southern Polyplastic Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Cardamom Planters' Union High School Committee

Madras, the 19th July 1977

No. DN/446/560(3)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 () of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Cardamom Planters' Union High School Committee unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN
Asstt. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Incandescent Foundry Co. Pr. Limited.

Calcutta, the 9th February 1978

No. L/27718/HD/18094.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 25-2-76 and the Official Liquidator, High Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

N. N. MAULICK
Asstt. Registrar of Companies

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX, DELHI-V

New Delhi, the 6th February 1978

No. JUR-DLI/V/77-78/42986.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-

tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Circle shall be created with effect from 28-1-1978.

(i) Distt. IV(3) Addl. New Delhi.

F. No. JUR-DLI/V/77-78/43137.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) & (2) of section 124 of I.T. Act 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the notifications issued earlier on the subject, the Commissioner of Income-tax, Delhi-V hereby directs that the Distt. IV(3) Addl. New Delhi shall have concurrent jurisdiction with Income-tax Officer, District-IV(3), New Delhi in respect of the persons/case assessed/assessable by them excepting the case assigned u/s 127 or which may hereafter be assigned.

For the purpose of facilitating the performance of the functions C.I.T. Delhi-V also authorised the I.A.C. V-C to pass such orders as contemplated in sub-section 2 of the section 124 of the I.T. Act 1961.

This notification shall take effect from 28-1-78.

The 10th February 1978

No. JUR/DLI/V/77-78/43547.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in modification of earlier orders on the subject the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, mentioned in column 1 of the schedule herein below shall perform all the functions of an Inspecting Assistant Commissioners of Income-tax under the said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons or of such incomes or classes of income or of such cases of classes or cases as fall within

jurisdiction of the ITOs of the Districts/Circles mentioned in col. 2 of the said schedule :—

SCHEDULE

Range	Income-tax Districts/ Circle
1	2
Inspecting Assistant, Commissioner of Income-tax, Range-V-A, New Delhi.	District-II(1)Admn, II(2), II(3), II(4), II(5), II(6), II(7), II(8), II(9), II(10), II(11), II (11) Addl. II(12), II(13), II(14), II(15) & II(16), New Delhi.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-V-B, New Delhi.	(i) District-III(19), III (20), III(27) (ii) District-VII, New-Delhi. (iii) District-IX, New-Delhi. (iv) Refund Circle, New Delhi. (v) District-I(1), I(2), I(3) and I(4), New-Delhi.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-V-C, New-Delhi.	(i) District-IV, New-Delhi. (ii) Foreign Section, New Delhi. (iii) Doctors' Circle, New Delhi.

This notification shall take effect from 18-2-78.

K. R. RAGHAVAN
Commissioner of Income-tax,
Delhi-V, New Delhi.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1978

Ref. No. IDH/106/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of Section 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Land measuring 58 kanal and 11 marlas khata No. 77/89 situated at Village Hawas, Tehsil and District Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Ludhiana in June, 1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurbakhsh Singh, s/o Dr. Chanda Singh, R/o Village Hawas, Tehsil and District Ludhiana.

(2) Shri Brijpal Singh, s/o Shri Gian Singh Grewal, R/o Village Hawas, Tehsil and District Ludhiana.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

THE SCHEDULE

Land, measuring 58 kanal and 11 marlas, Khata No. 77/89, situated at Village Hawas, Tehsil and District Ludhiana.

(Property as mentioned in the registered deed No. 935 of June, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-2-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Milwant Kaur d/o Dr. Chanda Singh,
R/o Village Hawas, Tehsil and District Ludhiana.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohinderpal Singh, s/o
Shri Gian Singh Grewal,
R/o Village Hawas, Tehsil and District Ludhiana.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1978

Ref. No. LDH/107/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Land, measuring 58 kanal and 11 marlas, Khata No. 77/89 situated at Village Hawas, Tehsil and District Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 58 kanal and 11 marlas, Khata No. 77/89, situated at Village Hawas, Tehsil and District Ludhiana.

(Property as mentioned in the registered deed No. 936 of June, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-2-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1978

Ref. No. LDH/220/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land, measuring 58 kanal and 11 marlas, Khata No. 77/89, situated at Village Hawas, Tehsil and District Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurbakhsh Singh, s/o Dr. Chanda Singh,
R/o Village Hawas, Tehsil and District Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Shri Mohinderpal Singh, s/o
Shri Gian Singh Grewal,
R/o Village Hawas, Tehsil and District Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 58 kanal and 11 marlas, Khata No. 77/89, situated at Village Hawas, Tehsil and District Ludhiana.

(Property as mentioned in the registered deed No. 974 of June, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-2-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1978

Ref. No. LDH/221/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 77/89, Land, measuring 58 kanal and 11 marlas, Khata No. 77/89, situated at Village Hawas, Tehsil and District Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

11—486G1/77

(1) Smt. Milwant Kaur, d/o
Dr. Chanda Singh,
R/o Village Hawas, Tehsil and District Ludhiana.
(Transferor)

(2) Shri Brijpal Singh, s/o
Shri Gian Singh Grewal,
R/o Village Hawas, Tehsil and District Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 58 kanal and 11 marlas, Khata No. 77/89, situated at Village Hawas, Tehsil and District Ludhiana.

(Property as mentioned in the registered deed No. 973 of June, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Rattan Chand son of
Shri Fateh Chand
C/o Sawdesi Woollen Factory, Balahi Bazar,
Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1978

Ref. No. JDI/88/77-78.—Whereas I, NATHU RAM,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition
Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 210 Sq. yds.
situated at Moja Taraf Saidan Teh. & Distt. Ludhiana,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ludhiana in June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (2) (i) Dr. Yog Raj s/o Sh. Amar Nath.
(ii) Smt. Bhagwanti Vashist w/o Yog Raj,
Municipal Commissioner,
Rly. Road, r/o Doraha Mandi,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of the notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 210 Sq. yds. situated at Taraf Saidan Teh.
& Distt. Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 820 of
June, 1977 of Registering Authority at Ludhiana).

NATHU RAM

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-2-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Amar Mohinder Industrial Corporation (Regd)
Gill Road, Millarganj,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s Bhambur Machine Tools (India)
493, Janata Nagar,
Ludhiana.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1978

Ref. No. LDH/90/77-78 —Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot measuring 1000 Sq. yrd.

situated at Dhandari Kalan Teh. Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Plot measuring 1000 Sq. yds. situated at Dhandari Kalan Tehsil, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 829 of June 1977, of Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-2-1978
Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri Mulak Raj, s/o Shri Ram Lal,
250-R, Model Town,
Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Paramjit Singh, and
Shrimati Surinder Kaur, w/o Shri Sardar Singh,
R/o 309, Model Town,
Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1978

Ref. No. LDH/117/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop, measuring 54½ sq. yds.,
situated at Chaura Bazar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop measuring 54½ sq. yds. in Chaura Bazar, Ludhiana (No. B-IV/1968).

(Property as mentioned in the registered deed No. 1031 of June 1977, of Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1978

Ref. No. BWN/2/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 41 Bigha 9 Biswa situated at Village Balad Khurd Teh. & Distt. Sangrur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhawani Garh in June, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :—

- S/Smt & Shri
(1) (i) Smt. Jangit Kaur (Wd)
(ii) Jarnail Singh
(iii) Teja Singh
(iv) Karnail Singh
(v) Teoj
(vi) Guddi Alias Ajmar Kaur. } sons of } Shri Man-
Residents of Village Balad Khurd P.O. Bhawani } Ds/o } kandi Singh
Garh, Teh. Sangrur. }
(Transferor)
- S/Shri
(2) (i) Joginder Singh
(ii) Mohinder Singh } sons of Sh. Mankandi Singh
(iii) Jag Singh
(iv) Hakam Singh. }
Residents of Village Balad Khurd P.O. Bhawani }
Garh, Teh. Sangrur. }
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 41 Bigha 9 Biswa Kham Khata No. 105/174 Khasra No. 954/13-15 955/5-6 956/5-17 957/6-5 958/13-15 959/13-15 960/7-4 963/10-9 961-962/5-3 Vital 9 situated at Village Balad Khurd, P.O. Bhawani Garh, Teh & Distt. Sangrur.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 159 of June 1977, of the Registering Officer, Bhawani Garh.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana,

Date : 15-2-1978

Seal :

FORM ITNS(1) Sh. Anand Sarup s/o Bhupinder Singh
r/o Village Mahi, Teh. Ludhiana

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) M/s Arti Steel
Ferozepur Road,
Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,****ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th February 1978

Ref. No. LDH/222/77-78.—Whereas I, NATHU RAM,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition
Range, Ludhiana,being the competent Authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Land measuring 10 Kanal
situated at Sherpur Road, Bypass, Ludhiana,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ludhiana in June, 1977for an apparent consideration which is less than the fair
market value of theaforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consi-
deration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice on
the respective persons, whichever period expires
later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA, of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.**THE SCHEDULE**(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);(Land measuring 10 Kanal situated at Sherpur Road,
Bypass, Ludhiana.(Property as mentioned in Registered Deed No. 1574
of June 1977, of Registering Officer, Ludhiana).**NATHU RAM**
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

Date : 15-2-1978

Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1978

Ref. No. LDH/115/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as in the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, measuring 5 kanal, situated at Sherpur Road, Bypass, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Gurcharan Singh, s/o
Shri Naranjan Singh,
R/o Village Rakba, Tehsil Jagraon.

(Transferor)

(2) M/s Arti Steel
Ferozepur Road,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 5 kanal, situated on Sherpur Road, Bypass, Ludhiana.

(Property as mentioned in the registered deed No. 1006 of June, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-2-1978
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Gurcharan Singh, s/o
Shri Naranjan Singh,
R/o Village Rakba, Tehsil Jagraon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Arti Steel
Ferozepur Road,
Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ludhiana, the 15th February 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

Ref. No. LDH/165/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immo-
vable property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing No.
Land, measuring 5 kanal,
situated at Sherpur Road, Bypass, Ludhiana,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Ludhiana in August, 1977
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the
said Act, in respect of any income arising from
the transfer, and/or

Land, measuring 5 kanal, situated at Sherpur Road,
Bypass, Ludhiana.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

(Property as mentioned in the registered deed No. 1485
of August, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the Act, to the following
persons, namely :—

Date : 15-2-1978

Seal :

FORM ITNS

- (1) (i) Smt. Sarma Devi,
(ii) Shri Umesh Kumar, s/o
Dr. Faquir Chand,
Residents of 3/45, Roopnagar, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) (i) Smt. Reena, w/o Shri Kishan Kumar,
(ii) Smt. Necta, w/o Shri Vinod Kumar,
Residents of 648, Rupa Mistri Street,
Ludhiana

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1978

Ref. No. LDH/155/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot, measuring 1016 sq. yds., situated at Taraf Gehlewal, Tehsil Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot, measuring 1016 sq. yds., situated at Taraf Gehlewal, Tehsil and District Ludhiana.

(Property as mentioned in the registered deed No. 1268 of July, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-2-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

12—486GI/77

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1978

Ref. No. LDH/156/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot, measuring 1200 Sq. yds. situated at Taraf Gehlewal, Tehsil Ludhiana (College Road) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (i) Smt. Sarma Devi,
(ii) Shri Umesh Kumar, s/o
Shri Faquir Chand,
Residents of 3/45, Roopnagar, Delhi.
(Transferor)
- (2) (i) Smt. Bimala Devi w/o Shiv Paul.
(ii) Smt. Aruna Devi w/o Satish Kumar.
Residents of 648, Rupa Mistri Street,
Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 1200 Sq. yds. situated at Taraf Gehlewal, Tehsil and District Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1273 of July, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-2-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1978

Ref. No. LDH/217/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A Residential House measuring 302.2 Sq. yds. bearing M.C. No. 426/4B.26, situated at Manna Singh Colony, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Ludhiana in October 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Naresh Kumar s/o
Sh. Des Raj, r/o
1341/B 13 Sukhram Nagar,
Ludhiana.

(Transferor)

- (2) Smt. Saroj Gupta w/o Des Raj,
r/o 77-Axtar Road, Notingham,
England.
Now at Smt. Saroj Gupta d/o Munilal
w/o Des Raj,
B-II, Mali Ganj Chowk,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(A Residential House measuring 302.2 Sq. yds bearing M.C. No. 426/4B.26 situated in Manna Singh Colony, Ludhiana).

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2363 of October, 1977 at Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-2-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1978

Ref. No. PJA/16/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 16 Kanal 0 Marla situated at V. Tripari, Tehsil & Distt. Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in June, 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Daulat Ram s/o Hukam Chand,
resident of Factory Area, Uppkar Nagar,
H. No. 10162/5 Patiala.

(Transferor)

(2) (i) Jit Singh
(ii) Inder Singh } sons of Shri Teja Singh.
r/o Village Zhil, Tehsil Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 16 Kanal 0 Marla, situated in Village Tripari, Teh & Distt. Patiala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1497 of June, 1977 of Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1978

Ref. No. LDH/84/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

A house measuring 196, 2/3 Sq. yds. situated at Mohalla Guru Nanak Nagar, Taraf Saidan, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (i) Sh. Suresh Kumar s/o Shri Kailash Chander.
(ii) Smt. Swarana Devi w/o Shri Kailash Chander.
residents of Madho Puri, Ludhiana.
(Transferor)

- (2) Smt. Satya Wati Wd/o Shri Krishan Chand,
r/o Baghwali Gali B VI/326,
Kuchan Santa Nathi Ram,
Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house measuring 196, 2/3 Sq. yds. situated at Mohalla Guru Nanak Nagar, Taraf Saidan, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 772 of June, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-2-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1978

Ref. No. LDH/87/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 547-R, B-XVIII/66, situated at Model Town, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Wariam Singh, s/o Shri Gahda Singh,
R/o 547-R, Model Town, Ludhiana.
(Transferor)

(2) Shri Hari Kishan Gupta, s/o
Late Shri Kulwant Rai,
235-L, Model Town, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 547-R, B-XVIII/66, situated in Model Town, Ludhiana.

(Property as mentioned in the registered deed No. 794 of June, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 6th February 1978

Ref. No. IAC/ACQ-II/1293/77-78/5593.—Whereas, I, N. S. CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-8/15, situated at Krishan Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 17-6-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sh. Rakesh Agarwal s/o Sh. Kishan Lal Agarwal
r/o House No. 300, Subhash Bazar,
Meerut City (UP).
2. Sh. Ramji Dass Agarwal s/o Sh. Devi Sahai
r/o House No. 300 Subhash Bazar,
Meerut City. U.P.
3. Smt. Satya Wati Garg w/o
Sh. Raghunandan Prasad Garg
r/o F-2/2 Krishan Nagar,
Delhi-51.
4. Sh. B. P. Goel s/o Sh. Sohan Lal Goel,
r/o F-3/25 Krishan Nagar, Delhi-51
General Power of Attorney of Smt. Mangu Rani
alias Manju Rani w/o Sh. Shyam Lal Gupta
r/o C/o Engineering Institute, Patiala (Pb).
- (2) Smt. Sharda Devi w/o Sh. Shanti Swarup
r/o E-5/7 Krishan Nagar, Delhi-51.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house constructed on a plot of land measuring 88 sq. yds bearing No. C-8/15 situated at Krishan Nagar, Delhi and bounded as under :—

North : Remaining portion of plot No. C-8/15.
South : Remaining portion of plot No. C-8/15.
East : Road.
West : Remaining portion of plot No. C-8/15.

N. S. CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 6-2-1978
Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Satya Wati Garg w/o
Sh. Raghunandan Prashad Garg,
r/o F-2/2 Krishan Nagar, Delhi-51.
2. Sh. B. P. Goela s/o Dr. Sohan Lal Goel,
r/o F-3/25 Krishan Nagar,
GPA of Smt. Mangu Rani alias Manju Rani w/o
Sh. Sham Lal Gupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1(110001)

- (2) Sh. Ramesh Agarwal s/o Sh. Kishan Lal Agarwal.
2. Sh. Ramji Dass Agarwal s/o Sh. Devi Sahai,
r/o 300, Subhash Bazar, Meerut City (UP).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 6th February 1978

Ref. No. IAC/ACQ-II/1294/77-78/5593.—Whereas I. N. S. CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-8/15, situated at Krishan Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Delhi on 17-6-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

A double storeyed house constructed on a plot of land measuring 63.1/4 sq. yds being part of property No. C-8/15 Krishan Nagar, Delhi and bounded as under :—

East : Road.

West : Remaining portion of plot No. C-8/15.

South : Road.

North : Remaining portion of plot No. C-8/15.

N. S. CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date . 6-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 6th February 1978

Ref. No. IAC/ACQ. II/1297/77-78/5593.—Whereas, I, N. S. CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7857, situated at Nai Basti, Bara Hindu Rao, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 2-6-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
13—486G1/77

(1) Shri Om Parkash Sharma s/o
Pt. Sita Ram r/o 7857 Nai Basti,
Bara Hindu Rao, Delhi.

(Transferor)

(2) Nai Basti Samaj Sudhar Sabha,
Nai Basti, Bara Hindu Rao, Delhi
through its President Sh. Devi Dayal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house constructed on a plot of land measuring 108 sq. yds bearing Municipal No. 7857 Ward No. 14 situated in Nai Basti, Bara Hindu Rao, Delhi and bounded as under :—

North : Others property.
South : Road.
East : Property No. 7858.
West : Property No. 7856.

N. S. CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 6-2-1978

Seal:

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 6th February 1978

Ref. No. IAC/Acq. II/1295/77-78/5593.—Whereas, I, N. S. CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 284 & 285, situated at Fateypuri, Chandni Chowk, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

(1) Shri J. S. Dhillon s/o Sh. S. B. Inder Singh
r/o W-146 G. K., New Delhi
For sell and G. Attorney of Sh. Patwant Singh,
2. Smt. Gurdeep Naunihal Kaur.
3. Mrs Rasil Basu Trustees of Sardar Ram Singh
Kabli and Sardarni Harnam Kaur Trust,
11 Rantondon Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Rajendra Mohan and Sh. Radhey Mohan sons of
Sh. Lalit Mohan,
r/o 177 House Avenue, New Delhi and
2682, Gali No. 1, Beadonpura, K. Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

(3) M/s. Lalit & Co (Tenant)
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two shops with back portions constructed on a land measuring 157 sq. yds bearing No. 284 and 285 situated at Fateypuri Chandni Chowk, Delhi and bounded as under :—

North : Shop No. 286.

South : Passage.

East : Mercantile Bank of India and passage

West : Fatehpuri Road.

N. S. CHOPRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date . 6-2-1978

Secy :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 6th February 1978

Ref. No. IAC/ACQ II/1296/77-78/5622.—Whereas, I, S. N. CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

56 Ward No. VII, situated at Jawala Nagar, Chanderwali, Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 1-11-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Brij Kishori Devi w/o Sh. Basant Lal Jain and Sh. Vinod Kumar Jain s/o Sh. Basant Lal Jain r/o 1430 Gali Sanghian, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Hui Nath Seth,
2. Sh. Badi Nath Seth.

3. Sh. Deep Kishan Seth all sons of Sh. Radha Raman Seth.

4. Sh. Ashok Kumar (minor) s/o Sh. Kashi Nath Seth through his father r/o 7/56, Circular Road, Shahdara, Delhi.

(Transferee)

(3) 1. Shri Kanshi Nath Seth.
2. Sh. Krishan Gopal.
3. Smt. Ram Katori.
4. Sh. Nirajan Dev.
5. Sh. Moti Lal.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed house constructed on plot of land measuring 665 sq. yds bearing Municipal No. 56 Ward No. VII known as Khoti Sham Kuti or Govindji Bhawan situated at Jawala Nagar, Chanderwali, Shahdara, Delhi and bounded as under.

North : Open Coal Depot.
South : Constructed house No. 56A.
East : Road 15 ft wide.
West : Road 60 ft. wide.N. S. CHOPRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.Date : 6-2-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 15th February 1978

Ref. No. 4/JUNE/77.—Whereas, I, A. T. GOVINDAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 47 and 48/2 situated at Tiruchi Main Road, Dadagapatti, Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem (Doc. No. 918/77) on June 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

- (1) Shri S. P. Sendrayan and
Shri Sendraya Perumal (minor) by
Father and guardian Shri S. P. Sendrayan.
Seelanaickenpatti, Salem district.

(Transferor)

- (2) Shri A. Thiagarajan,
C/o Mohanraj Silk Trading Co.,
No. 96, Syed Madar Sahib Street,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in land measuring 60 cents (26,246 sft.) with buildings thereon known as "Anjaneya Talkies" at Seelanaickenpatti village, Salem.

A. T. GOVINDAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
Madras

Date : 15-2-1978

Seal :

FORM ITNS ———

M/s.

- (1) 1. P. Ramachandran,
2. Sendraya Perumal
3. Srinivasan
4. Ramakrishnan
5. Perumalsami

Minor by father
and guardian
Shri P. Ramachandran

(Transferor)

- (2) Shri A. Thiagarajan,
C/o Mohanraj Silk Trading Co.,
No. 96, Syed Madar Sahib Street
Shevapet, Salem-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in land measuring 60 cents (26.246 sft.) with buildings thereon known as "Anjaneya Talkies" at Seelanaickenpatti village, Salem.

A. T. GOVINDAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 15-2-1978
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 15th February 1978

Ref. No. 5/JUNE/77.—Whereas, I. A. T. GOVINDAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 47 and 48/2 situated at Tiruchi Main Road, Dadagapatti, Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem (Doc. No. 919/77) on May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 15th February 1978

(1) M/s. R. S. P. Govindarajan and Venkatesa Perumal (minor) by father and guardian
Shri R. S. P. Govindarajan,
Seelanickenpatti, Dadagapatti,
Salem.

(Transferor)

(2) Shri A. Thiagarajan,
C/o Mohanraj Silk Trading Co.,
No. 96, Syed Madar Sahib Street.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 6/JUNE/77.—Whereas, I, A. T. GOVINDAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961 hereinafter) referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. R.S. No. 47 and 48/2 situated at Tiruchi Main Road, Dadagapatti, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Salem (Do. No. 920/77) on JUNE 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

1/3rd share in land measuring 60 cents (26,246 sft.) with buildings thereon known as Anjaneya Talkies situated in R.S. Nos. 47 & 48/2, Tiruchi Main Road, Seelanaickenpatti, Dadagapatti, Salem.

A. T. GOVINDAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 15-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

MADRAS-6, the 15th February 1978

Ref. No. 45/IUNE/77.—Whereas, L. A. T. GOVINDAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1, 1A and 1B situated at Prof. Subramaniam St., Landons Garden, Kilpauk, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Madras (Doc. No. 1745/77) on 28-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following per-

- M/s.
- (1) 1. K. A. Subramaniam
2. Anand
3. Srikant
4. Mrs. Kalyani Gopalan,
No. 1/29, Prof. Subramaniam St.,
Kilpauk, Madras-10.
5. K. A. Suryanarayanan
6. Ashok (minor) by father and guardian Sl. No. 5
No. 7, Dr. Nair Road, T. Nagar,
Madras-17.
(Transferor)
 - (2) Kerala Muslim Educational Society) (Regd.),
Madras Unit,
No. 1, Professor Subramaniam Street,
Kilpauk, Madras 600-010
(Transferee)
 - (3) M/s. K. P. K. Menon and P. L. Ramaseshan.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 11 grounds and 1955 sq. ft. with buildings thereon at door No. 1, 1A and 1B (R.S. No. 154/12 part), Professor Subramaniam Street, Landons Garden, Kilpauk, Madras 600010

A. T. GOVINDAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6

Date : 15-2-1978

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 14th February 1978

Ref. No. AP-1745.—Whereas, I. B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE Mota Singh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the

- (1) Shri Sawaran Singh
S/o Shri Mehar Chand
R/o Jandiala, Teh. and Distt. Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shri Khushal Singh S/o Shri Munsha Singh
2. Smt. Pritam Kaur W/o Shri Khushal Singh
R/o Pragpur, Teh. Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 574 as mentioned in the Registration Sale Deed No. 1689 of June. 1977 of the Registering Authority Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-2- 1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 14th February 1978

Ref. No. AP-1746.—Whereas, I. B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Barham Srishta, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

14—486GI/77

- (1) Smt. Amar Kaur Wd/o Harnam Singh
R/o Brahm Srishta, Jullundur City.
(Transferor)
- (2) Shri Gurmail Singh, Hardev Singh
s/o Shri Pyara Singh,
R/o Brahm Srishta, Jullundur City.
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No 1445 of June, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-2-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JULLUDUR

Jullundur, the 14th February 1978

Ref. No. AP-1747.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Alawalpur (Jullundur) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur on June 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhader Sen S/o Shri Kewal Krishan (Self) and G.A. of

1. Smt. Bimla Devi } Ds/o Shri Kewal Krishan
2. Satya Devi }
3. Satya Pal } ss/o Kewal Krishan
4. Inder Sain }
5. Ram Baksh s/o Shri Beli Ram R/o Alawalpur, Teh. Jullundur.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Karnail Singh
2. Shri Surinder Singh
3. Shri Ajit Singh
4. Shri Nasib Singh
Ss/o Shri Shanker Singh
R/o Daulatpur, Teh. Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration sale Deed No. 1133 of June, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-2-1978

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 14th February 1978

Ref. No. AP-1748.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and being No. as per schedule situated at Sarai Khas, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Piara Singh S/o Shri Santa Singh
R/o Sarai Khas, Teh. Jullundur.
(Transferor)
- (2) S/Shri Tarsem Singh, Jarnail Singh and
Jaswant Singh ss/o Shri Mehnga Singh
S/o Shri Surain Singh
R/o Sarai Khas, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 2053 of June, 1977 of the Registering Authority, Jullundur

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 14-2-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 14th February 1978

Ref. No. AP-1749.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at New Jawahar Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kanwal Kumar, Prem Nath
S/o Shri Sat Paul
R/o New Jawahar Nagar, Jullundur City.
(Transferor)
- (2) Shri Tarlok Nath
S/o Shri Achru Ram
R/o Jandiala, Teh. Phillaur
Distt. Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration sale Deed No. 1886 of June 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-2-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 14th February 1978

Ref. No. AP-1750.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Cool Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on August, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) Smt. Sudesh Mehta W/o Dr. Jatinder Kumar Mehta G.A. of Smt. Saroj Bala Jain W/o Ncm Chand Jain C/o P. S. Jain Motors, G. T. Road, Jullundur. (Transferor)
- (2) Dr. Jatinder Kumar Mehta 495-R, Model Town, Jullundur City. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3562 of August, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-2-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 14th February 1978

Ref. No. AP-1751.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Vill. Jagrawan, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Shri Karamjit Singh S/o Shri Gurmukh Singh
S/o Shri Isher Singh
R/o Village Jagrawan, Teh. Jullundur.
(Transferor)
- (2) Smt. Pritam Devi W/o Shri Karam Chand
S/o Shri Khushal Chand,
107-Amar Gardens, Jullundur City.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property,
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 1300 of June, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-2-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 14th February 1978

Ref. No. AP-1752.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Village Saiwal, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Salinder Kaur, Balwinder Kaur
Ds/o Ajit Kaur Wd/o Shri Inder Singh
R/o Bullowal. Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Dalip Singh S/o Shri Pala Singh
2. Surjit Kaur W/o Shri Karnail Singh
R/o Basti Ibrahimpur, Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 1230 of June, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-2-1978

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 14th February 1978

Ref. No. AP-1753.—Whereas, I. B. S. DEHIYA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/s and bearing No. as per schedule situated at Village Khun Khun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bakhshish Singh S/o Gudit Singh
Through G.A. Amar Singh
R/o Village Khun-Khun, Teh. Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Baldev Singh, Kuldip Singh
Ss/o Shri Sohan Singh
R/o Village Kang Saboo, Teh. Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 2068 of June, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 16th February 1978

Ref. No. AP-1754.—Whereas, I. B. S. DEHIYA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE
situated at New Vijay Nagar, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

15—486GI/77

- (1) Shri Balwant Ram S/o Shri Jamiat Ram
R/o Basti Nau, Jullundur.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Inder Sain 2. Shri Sudhir Sain
Ss/o Shri Bhim Sain.
150-Vijay Nagar, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registration sale deed No. 1811 of June, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 16-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 16th February 1978

Ref. No. AP-1755.—Whereas, I. B. S. DEHYA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE

situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sohan Lal Kohli
S/o Shri Sita Ram,
238-Lajpat Rai Nagar, Jullundur. (Transferor)
- (2) M/s. D. R. P. Metal Works,
Through Shri Prem Nath,
Hoshiarpur Road, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sl. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the registration deed No 1467 of June, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date . 16-2-1978
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 16th February 1978

Ref. No. AP-1756.—Whereas, I. B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at Village Narpur (Jullundur) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur on June, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor of the transferor to pay tax under the 'said Act,' to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Pritam Singh
S/o Shri Bishan Singh
R/o Narpur, Teh. Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Mohan Singh S/o Shri Banta Singh
S/o Bela Singh
R/o Patar Kalan, Teh. Jullundur. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration sale deed No. 1410 of June 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 16-2-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR**

Jullundur, the 16th February 1978

Ref. No. AP-1757.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at Basti Danishmandan, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Mohinder Singh S/o Shri Prem Singh
2. Shri Karamjit Singh,
3. Shri Manjit Singh
S/o Shri Mohinder Singh
R/o Basti Danishmandan, Jullundur
(Transferor)

- (2) 1. Shri Darshan Lal S/o Shri Nanak Ram
2. Shri Makhan Lal S/o Shri Dhali Ram
3. Shri Asa Ram S/o Shri Melu
4. Shri Inder Ram S/o Shri Nand Lal
5. Shri Bhupinder Singh S/o Shri Sham Singh
R/o Basti Gujan, Jullundur.
(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration sale deed No. 1161 of June, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 16-2-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 16th February 1978

Ref. No. AP-1758.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE

situated at Basti Danishmandan, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Mohinder Singh S/o Shri Prem Singh
2. Shri Manjit Singh
3. Shri Karamjit Singh
- S/o Shri Mohinder Singh
- R/o Basti Danishmandan, Jullundur.

(Transferee)

- (2) 1. Shri Gurdhari Lal S/o Shri Jagat Ram
2. Shri Shiv Ram S/o Shri Jalu Ram
3. Shri Sat Pal S/o Shri Tara Chand
4. Mata Ram S/o Shri Rakha Ram
5. Surinder Kumar S/o Shri Bhim Sain
6. Mansu Bai W/o Shri Jagdish Chand
7. Harpal Singh S/o Shri Chuni Lal
8. Shri Baldev Raj S/o Shri Mulkh Raj
- Basti Nau, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the registration sale deed No. 1206 of June, 77 of the registering authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 16-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 10th February 1978

Ref. No. AP-103/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No AS PFR SCHEDULE situated at Wander (Moga) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on June, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhola Singh
Shri Gurdial Kaur
Shri Hira Singh
Ss/o Shri Dal Singh
Village Wander, Teh. Moga.
(Transferor)
- (2) Shri Babu Singh S/o Shri Jarnail Singh and
Shri Hardev Singh, Shri Avtar Singh
Ss/o Shri Dhanna Singh S/o Shri Bhag Singh,
Village Wander, Teh. Moga.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned know
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 105 Kanals in village Wander, Teh. Moga as mentioned in sale deed No. 1460 of June 1977 registered with the S. R. Moga.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 10-2-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA.

Bhatinda, the 10th February 1978

Ref. No. A.P.104/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Wander (Moga), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Moga on June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhola Singh, Smt. Gurdial Kaur, Shri Hira Singh S/o Sh. Dal Singh, V & P.O. Wander, Teh. Moga.

(Transferor)

- (2) Shri Babu Singh s/o Sh. Jarnail Singh and Shri Hardev Singh, Sh. Avtar Singh S/o Sh. Bhag Singh, V&P.O. Wander, Teh. Moga.

(Transferee)

- "(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- "(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 47 Kanal 6 matlas in village Wander, Teh. Moga as mentioned in sale deed No 1338 of June, 1977 registered with the S.R. Moga.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 10-2-1978.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA.

Bhatinda, the 10th February 1978

Ref. No. AP.105/BTI/77-78.—Whereas, I. P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule situated at Wander (Moga).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Moga on June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sant Kaur d/o Sh. Bir Singh W/o Sh. Gurbachan Singh, through Sh. Gurbachan Singh (Mukhtiar-i-am, V&P.O. Bagha Purana, Teh. Moga.

(Transferors)

- (2) Sh. Gurdev Singh, Sh. Jalaur Singh, Sh. Gurnam Singh, Sh. Karnail Singh Ss/o Sh. Gulwant Singh and (2) Sh. Ranjodh Singh, Sh. Dhir Singh Ss/o Sh. Gurnaib Singh, Village Wander, Teh. Moga.

(Transferees)

- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- * (4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 87 Kanals 2 marlas in village Wander, Teh. Moga as mentioned in sale deed No. 1449 of June, 1977 registered with the S.R. Moga.

P. N. MALIK,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda,

Date : 10-2-1978,
Sd/-

FORM ITNS

- (1) Smt. Charan Kaur d/o Sh. Waryam Singh,
R/o village Bhaura, Teh. Nawan Shehar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Charan Singh S/o Sh. Waryam Singh, R/o.
village Bhaura, Teh. Nawan Shehar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

- *(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA.

Bhatinda, the 10th February 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

Ref. No. A.P. No. 106/BT/77-78.—Whereas, I,
P. N. MALIK,
being the competent authority under section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property having a
fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing
As per schedule situated at Bhaura (Nawanshehar)
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Nawan Shehar on July, 1977
for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property and I have reason to be-
lieve that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer and/
or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

16—486GI/77

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 36 kanal 10 marlas in village
Bhaura, Teh. Nawan Shehar as mentioned in sale deed No.
1676 of July, 1977 registered with the S.R. Nawan Shehar.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 10-2-1978,
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA.

Bhatinda, the 10th February 1978

Ref. No. A.P.No.107/BT1/77-78. —Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Jandiala (Nawan Shehar) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shehar on July, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Davinder Mohan, Sh. Bir Singh Shashi S/o. Sh. Charanjit Singh Shashi, village Jandiala, Teh. Nawan Shehar.

(Transferor)

(2) Shri Deva Singh, Shri Kuldip Singh, Sh. Ajit Singh Ss/o Sh. Kabal Singh, village Kelcran, Teh. Nawan Shehar, Distt. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 32 Kanals in village Jandiala as mentioned in sale deed No. 1975 of July, 1977 registered with the S. R. Nawan Shehar, Distt. Jullundur.

P. N. MALIK,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 10-2-1978,

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA.

Bhatinda, the 10th February 1978

Ref. No. A.P.No.108/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Jandala (Nawan Shehar) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shehar on July, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Surinder Singh, Sh. Kulbir Singh S/o Shri Bhagat Singh, village Rahon, Teh. Nawan Shehar.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar S/o Sh. Krishan Lal, village Rasulpur, Teh. Nawan Shehar, Distt. Jullundur.

(Transferee)

* (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

* (4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 27 kanal 3 marlas in village Rasulpur, Teh. Nawan Shehar, as mentioned in sale deed No. 1709 of July, 1977 registered with the S. R. Nawan Shehar.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 10-2-1978.

Seal :

FORM ITNS-----**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA.

Bhatinda, the 10th February 1978

Ref. No. A.P.No. 109/BTJ/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Jandiala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shehar on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harbans Singh S/o Shri Lachhman Singh, R/o village Jandiala, Teh. Nawan Shehar.
(Transferor)
- (2) Shri Jagtar Singh S/o Shri Kehar Singh, Vill. Dhandwal, Teh. Phillaur, Distt. Jullundur.
(Transferees)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 38 kanals and 10 Marlas in village Jandiala, Teh. Nawan Shehar as mentioned in sale deed No. 2063 of July, 1977 registered with the S. R. Nuwan Shehar.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 10-2-1978,
 Seal :

FORM ITNS—

1. Sri Nannepaga Yesurathnam, S/o Jakarajah,
2. Smt. N. Nayemi, W/o N. Yesurathnam,
3. Mr. John, S/o Yesurathnam, all residing at Door. No. 23/71, Mulgapet, Nellore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

2. Smt. Anam Kamalamma, W/o Sri Anam Sesha Reddy, R/o Ulavapadu, Kandukur-Tq, Prakasham-Dist.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 14th January 1978

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref No. RAC.No.234/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10-16-23, situated at Kavali, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kavali on 25-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

House No. 10-16-23 situated on the side of Udayagiri Road Kavali, Nellore-Dist, registered vide Doc. No. 1359/77 with the Sub-Registrar Kavali.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-2-1978
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 18th February 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77/78/932.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House (Part) situated at Murwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Murwara on 2-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Shri Saifuddin s/o Tahir Ali (2) Shri Fida Hussain (3) Shri Fakruddin Ali (4) Shri Jubbar Hussain (5) Shri Tasduk Hussain s/o Yusuf Ali all r/o Bhimganj Mandi, Kota. (Transferors)

(2) Smt. Kiranbai (2) Smt. Sunita Bai w/o Shri Sarashchand Jain both r/o Raghunath Ganj, Murwara Distt. Jabalpur. (Transferees)

*(3) Ram Prakash Punjabi & Phool Chand.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal No. 174 and 159 (Part) situated at Subhash Ward, MURWARA Distt. Jabalpur.

R. K. BALI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 18-2-1978.

Seal :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th February 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/933.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House (Part) situated at Murwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Murwara on 2-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Shri Saifuddin s/o Tahir Ali (2) Shri Fida Hussain (3) Shri Fakruddin Ali (4) Shri Jabbar Hussain (5) Shri Tasduk Hussain s/o Yusuf Ali all r/o Bhimganj Mandi, Kota. (Transferors)

(2) (1) Smt. Tyotibai w/o Shri Subhashchand (2) Smt. Sashibai w/o Shri Prakashchand Jain (3) Smt. Chamelibai w/o Shri Kailashchandra Jain all r/o Raghunath Ganj, Murwara, Distt. Jabalpur. (Transferees).

(3) Shri Ram Prakash and Phool Chand. (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal No. 175 and 159 (Part) bearing No. 493 situated at Subhash Ward, Murwara Distt. Jabalpur.

R. K. BALI.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 18-2-1978.
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th February 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/934.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House (Part) situated at Murwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Murwara on 2-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

- (1) (1) Shri Sailuddin s/o Tahir Ali (2) Shri Fida Hussain (3) Shri Fakruddin Ali (4) Shri Jabbar Hussain (5) Shri Tasduk Hussain s/o Shri Yusuf Ali all r/o Bhimganj Mandi, Kota. (Transferors)

- (2) Shri Nanak Ram s/o Shri Hirdomal Sindhi r/o Rawat Line Katni Camp Tah. Murwara Distt. Jabalpur.

(Transferees).

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal No. 171 and 159 (Part) Bearing No. 493 situated at Subhash Ward, Murwara Distt. Jabalpur.

R. K. BALI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 18-2-1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) (1) Shri Saifuddin s/o Tahir Ali (2) Shri Fida Hussain (3) Shri Fakruddin Ali (4) Shri Jabbar Hussain (5) Shri Tasduk Hussain s/o Shri Yusuf Ali all r/o Bhimganj Mandi, Kota. (Transferors)

(2) Shri Permanand s/o Shri Mannaram Sindhi r/o Gurunank Ward, Murwara, Distt. Jabalpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th February 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/935.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House (Part) situated at Murwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Murwara on 2-6-1977

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17-486GI/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal No. 168 and 159 (Part) beating No. 493 situated at Subhash Ward, Murwara Distt. Jabalpur.

R. K. BALI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 18-2-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th February 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/936.—Whereas, I, R. K. BALL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No House (Part) situated at Murwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Murwara on 2-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Shri Saifuddin s/o Tahir Ali (2) Shri Fida Hussain (3) Shri Fakruddin Ali (4) Shri Jabbar Hussain (5) Shri Tasduk Hussain s/o Yusuf Ali all r/o Bhimganj Mandi, Kota. (Transferors)

(2) Shri Badri Prasad s/o Shri Modi Prasad Chaurasia r/o Nayibasti at Murwara Distt. Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal No. 162 and 159 (part) bearing No. 493 situated at Subhash Ward, Murwara, Distt. Jabalpur.

R. K. BALL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 18-2-1978.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th February 1978

- (1) (1) Shri Saifuddin s/o Tahii Ali (2) Shri Fida Hussain (3) Shri Fakruddin Ali (4) Shri Jabbar Hussain (5) Shri Tasduk Hussain s/o Shri Yusuf Ali all r/o Bhinaganj Mandi, Kota (Transferors).

(Transferors)

- (2) M/S Premeukhdas Nandlal through its Managing partner Shri Narsinghdas Bazaz r/o Main Road, Katni Tah. Murwara. Distt. Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/937.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (Part) situated at Murwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Murwara on 2-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Municipal No. 172 and 159 (Part) bearing No. 493 situated at Subhash Ward, Murwara. Tah. Murwara Distt. Jabalpur.

R. K. BALI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 18-2-1978.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 18th February 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/938.—Whereas, I, **R. K. BALI**, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (Part) situated at Murwara (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Murwara on 2-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Saifuddin s/o Tahir Ali (2) Shri Fida Hussain (3) Shri Fakruddin Ali (4) Shri Jabbar Hussain (5) Shri Tasdaq Hussain s/o Shri Yusuf Ali all r/o Bhimganj Mandi, Kota.

(Transferors)

- (2) Shri Kripa Ram s/o Shri Lala Sita Ram Meni r/o Station Road, Murwara Distt. Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal No. 166 and 159 (Part) bearing No. 493 situated at Subhash Ward, Murwara Distt. Jabalpur.

R. K. BALI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 18-2-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th February 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/939.—Whereas, I,
R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (Part) situated at Murwara

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Murwara on 2-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Sailuddin s/o Tahir Ali (2) Shri Fida Hussain (3) Shri Fakruddin Ali (4) Shri Jubbar Hussain (5) Shri Tasdaq Hussain s/o Shri Yusuf Ali all r/o Bhimganj Mandi, Kota.

(Transferors)

- (2) Shri Prakash Chand alias Shri Chand s/o Shri Satharjan Mal Sindhi (2) Shri Shankar Lal (Minor) s/o Godhumal Vali Manwaribai (Mother) both r/o at Katni Camp Katni Tab. Murwar Distt. Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal No. 167 and 159 (Part) bearing No. 493 situated at Subhash Ward, Murwara Distt. Jabalpur.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 18-2-1978.

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 14th February 1978

Ref. No. P.R. No. Acq-23-1-1409(634)/16-6/77-78.—
Whereas, I, S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'Said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing No.
S. No. 421; & 421/1; Plat No. 13
Ramkrishna Sheri No. 1; Rajkot
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Rajkot on 16-6-1977
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

(1) Kasturben Wd/of Tribhovandas Dahyabhai;
Through : Power of Attorney Holder;
Shri Chandrakant Tribhovan Panchasara;
Gondal Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Mahendrakumar alias
Kanubhai Kalyanji Vasant,
Transportwala, Ramkrishnanagar, Sheri No. 1
(Plot No. 13), Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 226-1 sq. yds. bearing S. No. 421 & 421/1; Plot No. 13, situated at Ramkrishna Sheri No. 1; Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Registration No. 2645 dated 16-6-1977.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 14th February, 1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 14th February 1978

Ref. No. JDR/21/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Factory No. E-33, situated at Yamuna Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in June, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) (i) Sh. Ram Kishan Dass s/o Sh. Kulwant Rai R/o Kaithal. (ii) Sh. Ishar Dass s/o Sh. Dass Rai R/o Yamuna Nagar. (iii) Sh. Lachhman Dass s/o Sh. Nanu Mal, R/o Narwana. (iv) Sh. Tilak Chand s/o Sh. Ram Kishan Dass through Sh. Ram Kishan Dass s/o Sh. Kulwant Rai c/o Tilak Snowcate works, Yamuna Nagar.

(Transferors)

- (2) (i) Sh. Chuni Lal s/o Gurditta. (ii) Sh. Satish Chand s/o Sh. Chuni Lal. (iii) Sh. Rohtas Kumar s/o Sh. Behari Lal. (iv) Sh. Prem Nath s/o Sh. Jyoti Parkash. (v) Sh. Janardan Dass s/o Sh. Ram Parsad. (vi) Sh. Om Parkash s/o Sh. Ram Gopal, C/o Milap Silicate Factory, E-33, Industrial Area, Yamuna Nagar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory No. E-33, situated at Industrial Area, Yamuna Nagar.

"Property as mentioned in Registration deed Sl. No. 1321 dated 30-6-1977 and registered in the office of Registering Authority, Jagadhari."

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 14-2-1978

Seal:

FORM ITNS—

- (1) Sh. Mahesh Chand Batra and
Sh. Naresh Chand Batra s/o Sh. B. L. Batra,
R/o 83, Sector 18, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONIPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 14th February 1978

Ref. No. CHD/43/77-78.—Whereas, I,
RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing No.
S.C.C. No. 4, Sector 17, V-4, situated at Chandigarh.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer at
Chandigarh in July, 1977
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the parties has
not been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the trans-
fer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (2) (i) Sh. Nath Bassi s/o Sh. Charan Singh Bassi.
(ii) Sh. Mohinder Singh Bassi alias Milkha Singh
Bassi.
(iii) Sh. Kabal Singh Bassi alias Kehar Singh Bassi.
(iv) Sh. J. Narkesh Singh Bassi s/o Sh. Mohinder
Singh Bassi Alias Milkha Singh Bassi.
(v) Sh. Gulraj Singh Bassi s/o Mohinder Singh
Bassi alias Milkha Singh Bassi.
(vi) Sh. Panlpinder Singh Bassi and
(vii) Sh. Raovinder Singh Bassi s/o Sh. Kabal Singh
Bassi alias Kehar Singh Bassi.
All Rs/o Vill P.O. Vir Bassain, Teh. Phillaur
(Jullundur).

(Transferee)

- (3) (i) Sh. Tarsem Chand, M/s. Fashionair.
(ii) Sh. Kuldev Raj, Hans Raj, Photo Centre.
(iii) Sh. Ajmer Singh Tailor.
(iv) M/s. Planners Group.
(v) Haryana Agr. Deptt.

All c/o SCO No. 4, Sector 17, V-4, Chandigarh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

4 storeyed SCO No. 4, Sector 17, V-4, situated at Chandi-
garh.

"Property as mentioned in sale deed registration No. 466
dated 27 July, 1977 and registered in the office of
Registering Authority, Chandigarh."

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 14-2-1978

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Sh. Mohinder Singh s/o Sh. Joginder Singh, R/o Vill. Chak Jhandwala, Teh. Muktsar, Distt. Faridkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Maj. Ranjit Singh s/o Sh. Sadhu Singh, 4th Battalion 5th Gorkha Rifle (FF) C/o 56 APO.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 14th February 1978

Ref No. KKA/2/77-78.—Whereas, I, **RAVINDER KUMAR PATHANIA**, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential plot No. 5 situated at Panchkulla and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalka in September, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential plot No. 5 measuring 1000 sq. yds. situated at Panchkulla.

"Property as mentioned in sale deed registration No. 442 dated 9-9-1977 registered in the office of Registering Authority, Kalka."

RAVINDER KUMAR PATHANIA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 14-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR,
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 15th February 1978

Ref. No. III-268/Acq/77-78.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 8 Ward No. 4, within Gaya Municipal area, situated at Kathokar Talab Gaya Town, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gaya, on June 1977.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shiv Prasad S/o Shri Prabhu Chand, Anup Kumar Lal, Manoj Kumar Lal, Navin Kumar Lal S/o Shiv Prasad Smt. Gouri Devi W/o Prabhu Chand, Rajendra Prasad Arjun Prasad S/o Shri Kanhaiya Lal, Smt. Savitri Devi W/o Kanhaiya Lal Resident of Moti Murarpur P.O. Dist. Gaya.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Bindu Devi W/o Sarju Prasad 2. Smt. Ramola Devi W/o Aditya Prasad Resident of Murarpur Gaya C/o M/s. Nauhaku Ram Tulsi Prasad Plaza Market G. B. Road. Gaya.

(Transferee)

(3) Shri Kailash Prasad Poddar
Prop : Poddar Transport Gaya.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One three storeyed pucca building at Kathokar Talab, Gaya bearing H. No. 8. Ward No. 4 of Gaya town as described in the deed no. 9805 of 1977 registered with the District Sub Registrar Gaya.

J. NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 15-2-78.
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269B(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 4th February 1978

Ref. No. ASR/52/77-78. —Whereas I. S. K. GOYAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khasra No. 1797, Min 1794 Min New khasra No. 87/29 min, situated at Sarai Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tehsil Amritsar in June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Chanana Financiers & Chit Fund Pvt. Ltd. Akali Market, Amritsar, through Shri Kulwant Singh S/o Shri Nihal Singh, (2) Shri Hari Singh S/o Shri Ladha Singh, (3) Shri Gurcharan Singh S/o Shri Gurbax Singh, (4) Shri Ram Murti S/o Shri Mani Ram
(All are directors of Chit Fund Firm)

(Transferors)

(2) 1. Sh. Rajinder Mohan s/o Shri Lala Des Raj.
2. Sh. Des Raj s/o Shri Baghu Mal.
3. Sh. Goverdhan Dass s/o Shri Moti Ram.
4. Shri Surjit Rai s/o Shri Moti Ram.
5. Sh. Prem Chand s/o Shri Moti Ram.
6. Shri Gurcharanjit s/o Bhag Mal.
7. Smt. Ramesh Rani w/o Sh. Amir Chand.
8. Smt. Chand Rani w/o Shri Faquir Chand.
c/o Gian Chand Bhawan & Co.
Commission Agents, Jandiala Guru
Teh. Amritsar.

(Transferees)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two Godowns, one office block & open space with land 2583 Sq.yds at Jandiala Guru, situated on Sarai Road, bearing Khasra No. 1772 Min 1794 Min new khasra No. 87/29 Min as mentioned in the reg. deed No. 1650 of June, 1977 of Registering Authority, Tehsil Amritsar.

S. K. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 4-2-1978

Seal :

